दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 132/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 06 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

## चांदी एक हफ्ते में 13,851 महंगी हुई, सोना 2001 चढ़ा

सोने-चांदी के दाम में लगातार दूसरे हफ्ते तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 28 नवंबर को सोना 1,26,591 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 5 दिसंबर तक 2001 रुपए बढ़कर 1,28,592 रुपए पर पहुंच गया है। 17 अक्टूबर को सोना 1,30,874 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था, यह उसकी सबसे महंगी कीमत है।

# आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी की श्रद्धांजलि

### आंबेडकर की पुण्यतिथि पर राहुल बोले- उनकी विरासत हमारे संघर्ष की प्रेरणार

**नई दिल्ली।** संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और अन्य नेताओं ने संसद भवन परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को याद करते हुए। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा को राह दिखाती रहेगी। उन्होंने पीढ़ियों को इंसानी गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मज़बूत करने के लिए प्रेरित किया। उनके आदर्श हमें विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करते हुए राह दिखाते रहें।'

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने डॉ. आंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर याद करते हुए एक पोस्ट में लिखा, 'बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की विरासत संविधान बचाने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और भारत और समावेशी और करुणाशील भारत बनाने में हमारे एकजुट संघर्ष को प्रेरित करती है।' संसद परिसर में डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा 'आंबेडकर जी एक आइकॉन हैं। उन्होंने पूरे देश को रास्ता दिखाया, उन्होंने हमें संविधान दिया। इसलिए, हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं। हर भारतीय का संविधान खतरे में है। हम इसकी रक्षा करते हैं, नागरिक इसकी रक्षा करते हैं।'

## सांध्यप्रकाश - विशेष टिप्पणी

### भारत और रूस

# पुतिन अपने विमान से उतरे और मोदी से मित्रतापूर्ण सहजता से हाथ मिलाया और गले मिले

**वह भी ऐसे समय में जब भारत सावधानी से अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को नए सिरे से व्यवस्थित कर रहा है**

एनके त्रिपाठी

मैंने 10 साल पहले रूस का दौरा किया था और पाया था कि यह देश मिलनसार लोगों से भरा हुआ है। बहुत कम दो देशों के बीच इतनी लंबी और स्थायी दोस्ती होती है जिसमें कभी कोई दरार न आई हो। नेहरू, समाजवादी होने के नाते, आज़ादी से पहले ही सोवियत संघ के प्रति झुकाव रखते थे। उन्होंने

सोवियत संघ के साथ भारत के संबंधों की नींव रखी, एक गुटनिरपेक्ष नीति की वकालत की जिसने भारत को शीत युद्ध के दौरान पश्चिम और सोवियत संघ, दोनों के साथ संबंध बनाए रखने में मदद की।

भारत-सोवियत मैत्री संधि शीत युद्ध के दौरान अगस्त 1971 में हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक समझौता था। इसने बांग्लादेश मुक्ति के दौरान अमेरिकी दादागिरी का मुकाबला करने में भारत की मदद की। सोवियत संघ और बाद में रूसी संघ, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ, भारत को हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया। राष्ट्रपति पुतिन ने 2002 में भारत का दौरा किया और एक रणनीतिक साझेदारी स्थापित हुई जिससे राजनीतिक सुरक्षा, व्यापार, रक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा।

ट्रंप द्वारा भारत पर दबाव बनाने के साथ, पुतिन की वर्तमान यात्रा नई दिल्ली और दुनिया की अन्य प्रमुख राजधानियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रूसी मित्रता भारत के लिए चीनी खतरे को भी कम करती है। वर्तमान शिखर सम्मेलन मूलतः दोनों देशों की रणनीतिक अभिसारिता की पुनरावृत्ति है और यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस से भारत के आह्वान का भी। मोदी कहते हैं कि भारत तटस्थ नहीं, बल्कि शांति के पक्ष में है। दूसरा, यह भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रति रूस की प्रतिबद्धता के लिए है। तीसरा, यह व्यापार की संभावनाओं के लिए है, जो वर्तमान में भारत द्वारा तेल खरीद को छोड़कर नगण्य है।

रूस के साथ भारत की मित्रता शीत युद्ध, शीत युद्ध के बाद की एकध्रुवीयता और वर्तमान बहुध्रुवीय विश्व के बावजूद कायम रही है। हालाँकि, भारत को अमेरिका और यूरोप के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाना होगा। चीन द्वारा यूरोप और अमेरिका को लुभाने की कोशिश रूस और भारत दोनों को समान रूप से परेशान करती है। रूस भारत के माध्यम से एशिया में अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। भारत-रूस मित्रता लंबे समय तक चलेगी।

**(लेखक प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक हैं)**

### होमगार्ड्स स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री की घोषणा

# जवानों को मिलेंगे स्थायी आवास: मोहन यादव

**भोपाल, सांध्यप्रकाश।** मध्य प्रदेश में आज होम गार्ड्स और नागरिक सुरक्षा संगठन का 79वां स्थापना दिवस राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होम गार्ड कार्यालय पहुंचे और मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने होम गार्ड परेड निरीक्षण वाहन से परेड का निरीक्षण किया, जिसके बाद होम गार्ड परेड टीम ने उन्हें सलामी दी। मुख्यमंत्री ने जवानों के साहस और अनुशासन की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने होम गार्डस के लिए स्थायी आवास देने की घोषणा की। इसके अलावा, अदम्य साहसिक कार्य सम्मान पुरस्कार देने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि होम गार्ड एक ऐसा अनुशासित समूह है जो हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करता है। उन्होंने कहा कि 'हर प्रस्तुति में, हर चुनौती में, सबसे आगे खड़े रहने वाला यह होम गार्ड का समूह है'।

### 10 रेस्क्यू टीमों को 51 हजार रुपए का पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले होमगार्ड जवानों को 'मुख्यमंत्री अदम्य साहस पुरस्कार' से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2014 में एनडीआरएफ का गठन हुआ था और तब से इस बल ने उत्कृष्ट तरीके से अपना कर्तव्य निभाया है। उन्होंने जानकारी दी कि इंदौर में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवानों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका उपयोग आगामी उज्जैन सिंहस्थ में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 10 रेस्क्यू टीमों को 51 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

आवास सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने होम गार्ड जवानों के लिए स्थायी आवास निर्माण के आदेश भी दिए। उन्होंने कहा कि सरकार सुनिश्चित करेगी कि हर होम गार्ड को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्थापना दिवस समारोह में होमगार्ड निदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से राजभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के सफलतम कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 13 दिसम्बर को होने वाले कार्यक्रम हेतु विधायक रामेश्वर शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर उन्हें आमंत्रित किया।

# फीफा विश्व कप में इस टीम से पहले मैच में भिड़ेगा मेसी का अर्जेंटीना, 19 जुलाई को होगा फाइनल

**नई दिल्ली:** फीफा विश्व कप 2026 के लिए ग्रुपों का औपचारिक ऐलान वॉशिंगटन डीसी में हुए भव्य समारोह में कर दिया गया। यह पहला मौका है जब अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। सितारों की मौजूदगी से सजे इस ड्रॉ कार्यक्रम ने आगामी विश्व कप को लेकर उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया।

गत चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में जगह मिली है, जहां उसका पहला मुकाबला 16 जून को अल्जीरिया से होगा। सभी की निगाहें लियोनेल मेसी पर होंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में कदम रख सकते हैं। दूसरी ओर, पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी इसी उपलब्धि की ओर बढ़ रहे हैं। यदि दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहती हैं, तो क्वार्टर फाइनल में उनकी ऐतिहासिक भिड़ंत संभव है।

इस बार विश्व कप में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और 104 मैच खेले जाएंगे, जो इसे इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बना देता है। फीफा ने पहली बार टेनिस-स्टाइल नॉकआउट ब्रैकेट सिस्टम लागू किया है, जिसके तहत शीर्ष टीमें-स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड-सेमीफाइनल से पहले नहीं टकराएंगी। यह बदलाव टूर्नामेंट को अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

ग्रुप चरण 11 से 27 जून तक चलेगा, जबकि फाइनल 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा। मार्च 2026 तक बचे हुए छह क्वालीफायर टीमों का चयन पूरा हो जाएगा। दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक अब इस भव्य विश्व कप का इंतजार कर रहे हैं, जो कई ऐतिहासिक पलों का साक्षी बनने वाला है।

# होस्टलों पर जीएसटी नहीं, किराए के घरों को भी मिलेगीं राहत

**इन्दौर/नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय देहली में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की युगल पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के एक महत्वपूर्ण फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई उपरांत कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए दिए अपने निर्णय में कहा कि हॉस्टल भी रहने की सुविधा प्रदान करता है, इसलिए इसे आवासीय उपयोग की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी आवासीय परिसर को ऐसे संस्थान को लीज पर देने पर, जो उसे छात्रों या कामकाजी पेशेवरों के लिए हॉस्टल के रूप में उपयोग करता है पर जीएसटी नहीं लगेगा। कोर्ट ने कहा कि ऐसी संपत्तियों का मूल उपयोग आवासीय ही रहता है और इस पर कर लगाने से आवासीय उपयोग पर दी गई छूट का उद्देश्य विफल हो जाएगा। युगलपीठ ने अपने निर्णय में कहा कि यदि इस प्रकार की लीज पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया, तो इसका सीधा असर छात्रों और युवा पेशेवरों पर पड़ेगा, जबकि कानून की मंशा ही उनकी लागत को कम करना है। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के बाद होस्टल एवं इसी तरह की गतिविधियों के संचालित करने वालों तथा इनके उपयोग करने वालों को बड़ी राहत मिली है।

### हैदराबाद एयरपोर्ट पर दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ने की धमकी मिली

**हैदराबाद।** हैदराबाद एयरपोर्ट पर आज दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय उड़ानों - ब्रिटिश एयरवेज की बीए 277 (हीथ्रो से हैदराबाद) और कुवैत एयरवेज की के 373 (कुवैत-हैदराबाद) को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी कस्टमर सपोर्ट के मेल पर भेजी गई।

### मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की बड़ी घोषणा

# एक बीघा से एक लाख कमाने वाले किसानों को मिलेगा 'लखपति किसान' सम्मान

**भोपाल, सांध्यप्रकाश।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के किसानों के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी के समान 'लखपति बीघा' का लक्ष्य रखते हुए, वह उन किसानों को भी सम्मानित करना चाहते हैं जो एक बीघा से एक लाख रूपए की कमाई करने में सफल हों। यह योजना किसानों को बिचौलियों से बचाने और उन्हें सीधे अपने उत्पाद का बाजार मूल्य दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री ने किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए नवीनतम तकनीकों के उपयोग और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर सघन गतिविधियां संचालित की जाएं और हर संभाग की नर्सरियों को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। इसके साथ ही, नरवाई प्रबंधन के लिए तीन वर्ष की कार्ययोजना तैयार की जाएगी और किसानों तक उर्वरक की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। डॉ. यादव ने यह घोषणा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान की। इस बैठक में मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री लखन पटेल, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, मुख्य सचिव अनुराग जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# इंडिगो संकट: विमानन मंत्री ने चालक दल के कुप्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

### जांच समिति बनाई, कार्रवाई होगी, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

**नई दिल्ली।** विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि इंडिगो एयरलाइन का परिचालन संकट जल्द ही हल होने वाला है और एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई केवल समय की बात है। इसके लिए कंपनी के चालक दल का कुप्रबंधन ही जिम्मेदार है। इधर, इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का मामला आज सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है।

एक न्यूज चैनल के साथ बातचीत में विमानन मंत्री ने कहा कि इंडिगो की एक हजार से अधिक उड़ानें रद्द होने के बावजूद अन्य एयरलाइनों को कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम नवंबर में लागू होने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि समस्या इंडिगो की ओर से थी।

नायडू ने बताया कि मेट्रो शहरों के हवाई अड्डों पर भीड़ कम हो गई है और दिल्ली, मुंबई, चेन्नई सहित अधिकांश हवाई अड्डों पर पिछले दिनों फंसे यात्रियों की कतारें अब खत्म हो गई हैं। इंडिगो कल से सीमित क्षमता के साथ उड़ानें फिर से शुरू करेगा और धीरे-धीरे क्षमता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिया कि यात्रियों को कल से परेशानी नहीं होगी, जबकि एयरलाइन की पूरी क्षमता पर लौटने में कुछ और दिन लग सकते हैं। नायडू ने यह भी स्पष्ट किया कि विमानन मंत्रालय और डीजीसीए ने इस तरह की स्थिति की पूर्व चेतावनी नहीं देने में कोई लापरवाही नहीं की।

**जांच के लिए समिति बनाई गई-** उन्होंने बताया कि इस व्यवधान की जांच के लिए एक समिति बनाई गई है, जो यह देखेगी कि कहां गलती हुई और जिम्मेदार कौन है। नायडू ने कहा, जिन्होंने यह स्थिति पैदा की, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

### सामान्य स्थिति बहाल करना हमारी प्राथमिकता

उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता यह है कि सामान्य स्थिति लौटे और यात्रियों को पूरी मदद मिले। हर दिन लगभग पांच लाख लोग हवाई यात्रा करते हैं। हम एफडीटीएल नियमों और नेटवर्क शेड्यूलिंग पर नजर रख रहे हैं। हम पूरी तरह जांच करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि सभी एयरलाइन सावधानी बरतें। सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा।

### सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में इंडिगो की गड़बड़ी में तुरंत कानूनी दखल की मांग की गई है। याचिका में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी को मानवीय संकट और यात्रियों के अधिकारों का उल्लंघन बताया गया है।

रवीन्द्र भवन में आठवां हृदय दृश्यम समारोह का हुआ शुभारंभ, तीन दिन बहेगी स्वर लहरियां

# अलौकिक संगीत यात्रा में श्रोताओं को स्पंदित कर गया सुर, ताल और भावनाओं का अनूठा संगम

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा संगीत, कला और विरासत पर केन्द्रित वृहद संगीत समारोह ''हृदय दृश्यम'' के आठवें शुभारंभ शुक्रवार की शाम रवीन्द्र भवन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव, क्यूरेटर हृदय दृश्यम श्री जो अलवारिस एवं ओमेगा रेंक के प्रबंध संचालक श्री सुशील प्रकाश, जहांनुमा होटल के निदेशक श्री फैज राशिद ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर सुविख्यात सरोद वादक श्री अमान–अयान अली बंगश भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन श्री सुशील प्रकाश ने दिया। उन्होंने कहा कि हृदय दृश्यम का मंच भारतीय संगीत की समृद्ध परम्पराओं को अनुभूत कराता है। यह हमारी संस्था पर गर्व करने का अवसर है। आभार प्रदर्शन उप संचालक संस्कृति डॉ. पूजा शुक्ला ने किया। इस अवसर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य और उत्कृष्ट प्रदर्शनों का पर्याय हृदय दृश्यम का भव्य मंच एक बार पुनः सुधिजनों को उस अलौकिक संगीत-यात्रा पर ले गया, जहाँ सुर, ताल और भावनाओं का अनूठा संगम श्रोताओं को भीतर तक स्पंदित कर गया। पहली संध्या की प्रथम सभा सरोद वादन के माधुर्य, गंभीरता और रसानुभूति को समर्पित थी। मंच पर उपस्थित थे सेनिया बंगश घराने के सुप्रसिद्ध युवा कलाकार श्री अमान अली बंगश और श्री अयान अली बंगश, जिनकी उंगलियों के स्पर्श मात्र से तारों पर जादू सा उतरता प्रतीत होता है। अपने विशेष अंदाज, सुकोमल मिजाज और गहन मनोभाव के साथ दोनों कलाकारों ने सुरों का ऐसा संसार रचा कि पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो उठा। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत 'राग देश' से की जिसकी मध्यम-कोमल छाया और बारिश-सी भीगी अनुभूति ने श्रोताओं को सुकून से भर दिया। इसके बाद उन्होंने 'राग रागेश्री' में सरोद के गंभीर, मधुर और मृदुल स्वर-व्याप्ति का अद्भुत परिचय दिया। अंत में बंगश बंधुओं ने मनभावन भटियाली धुन प्रस्तुत की, जिसने वातावरण में सहज उल्लास, काव्यमयता और मधुरता घोल दी।

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है
श्री माँ कालका विजासन देवी दरबार न्यास
कालका चौक चूना भट्टी, कोलार रोड, भोपाल
शुभ आमंत्रण

पुष्प नक्षत्र में चांदी के खड़ग
एवं त्रिशूल माँ को अर्पण किये जायेंगे
माँ का भव्य श्रृंगार एवं महाआरती
खीर का प्रसाद वितरण
दिनांक
8/12/2025 सोमवार
समय- रात 8 बजे
आप सभी भक्त समस्त परिवार सहित
सादर आमंत्रित हैं

## सेवा बस्ती में चिप्स व बिस्किट पैकेट वितरण कर बालिस्ता रावत ने मनाया जन्मदिन

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी एवं श्री हिन्दू उत्सव समिति प्रवक्ता बालिस्ता रावत ने जन्मदिन के अवसर पर पारस धाम में श्रीमद् भागवत व्यासगादी का पूजन कर कथा का किया श्रवण, उड़िया बस्ती में महिलायें, बच्चों को चिप्स व बिस्किट पैकेट का किया वितरण। एमपी नगर में भारतीय जनता पार्टी भोपाल जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता के उपस्थिति में, भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ भोपाल जिला सह संयोजक, दक्षिण पश्चिम विधानसभा प्रभारी महेंद्र दवे के नेतृत्व में, छोला मंदिर में भाजपा विधि प्रकोष्ठ मंडल संयोजक अधिवक्ता केपी पाठक के नेतृत्व में, शिवनगर में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम चौरसिया के नेतृत्व में केक काटकर बालिस्ता रावत का मनाया गया जन्मदिन।

## कवि सम्मेलन का आयोजन

**भोपाल।** प्रयागराज(उत्तर प्रदेश)के मुट्ठी गंज स्थित जायसवाल धर्मशाला मे विराट कवि सम्मेलन का आयोजन वरिष्ठ समाज सेवी एडवोकेट टी एन जायसवाल एवं जय प्रकाश जायसवाल के संयोजन/दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय कल्चुरी कवि परिषद प्रयागराज द्वारा किया गया।डॉ अर्चना जायसवाल,राष्ट्रीय संयोजक - राष्ट्रीय कल्चुरी एकता परिषद,राकेश राय प्रदेश अध्यक्ष (सीहोर मध्य प्रदेश), किशोर राय, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष,राजेश राय,कल्चुरी वार्ता प्रधान संपादक प्रयाग,प्रदेश युवा अध्यक्ष सुशील शिवहरे, एवं मुख्य अतिथि अरविंद जायसवाल इंदौर,विष्णुनाथ कलवार मुम्बई,विशिष्ट अतिथि शिवचरण हाडा जयपुर, वरिष्ट कार्यकारी अध्यक्ष,वृंदावन राय 'सरल 'सागर, राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्चुरी कवि परिषद,सुरेश जायसवाल 'अहम 'सीहोरसंस्थापक राष्ट्रीय कल्चुरी कवि परिषद, एवं स्थानीय वरिष्ठ समाज सेवी धर्मेंद्र जायसवाल,आलोक जायसवाल,डॉ हरीश जायसवाल,राकेश जायसवाल,रोहित जायसवाल,अनुज जायसवाल,आदि गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति में कवि सम्मेलन यादगार सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। चर्चित युवा कवि सुजीत जायसवाल कोशम्बी ने रोचक संचालन किया।सेवा निवृत्त अधिकारी,प्रचार एवं जन सम्पर्क बी एच ई एल भोपाल व सुपरिचित कवि सुरेश सोनपुरे को राष्ट्रीय कल्चुरी कवि परिषद शाखा प्रयागराज द्वारा 'साहित्य रत्न - 2025' से सम्मानित किया गया। प्रयागराज की पावन धरा पर आयोजित इस साहित्यिक आयोजन की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

## पीड़ित मानवता की सेवा में एक कदम

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** अग्रकुल परिवार द्वारा संचालित माता महालक्ष्मी क्षेत्र एवं नवजीवन सेवा समिति द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा में एक कदम दृष्टि बाधित दिव्यांग बच्चों को पुनः ज्योति आई किट चश्मों का वितरण और साथ ही 10 जरूर बच्चों को एंड्रॉयड फोन का भी वितरण कार्यक्रम रविवार को समय 9 दोपहर 3:00 बजे से स्थान 9 मानस उद्यान लालघाटी में आयोजित किया जावेगा।

# हम अपनी प्रतिष्ठा को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम अपने चरित्र को नियंत्रित कर सकते हैं

हमारी कथनी व करनी एक हो हम धरती पर कचरा करने का उपक्रम ना बने। उद्यानों में रविवार को होने वाला श्रमदान आज शनिवार दो बजे खेल मैदान में होगा देश की असली सम्पति वे लोग है जो अपने आयोजनों में धरती माँ के बारे भी सोचते है नमन? निगम के संविदा नियुक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री रामजी लखेरिया व श्यामा लखेरिया जिसने अपने सुपुत्र के विवाह में 1500 लोगो का भोज करवाया व बर्तन बैंक का प्रयोग कर कार्यक्रम को डिस्पोजेबलमुक्त रखा

- उनके यहाँ पहुँच वर वधु को आशीर्वाद दिया। ऐसे सभी जोड़े जो दृढ़ संकल्प के साथ अपने वैवाहिक आयोजन की डिस्पोजेबल से दूर रख कर सफल बनाते है उन्हें सम्मानित किया जाएगा
- कौवे की तरह तमाशा देखने वाले ना बने अपितु चिड़िया की चोंच से पानी डाल कर आग बुझाने में शामिल हो
- गुरुवार को इंद्रपुरी स्थित शिव मंदिर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया व तीन डस्टबीन रखवाएं
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मृति उद्यान में दीवारो रिपेयरिंग जारी व गेट पर पेंट किया गया
- प्राउड ऑफ़ दरोग़ा श्री अशोक गौतम खेल मैदान को सुंदर बनाने में सहयोग निरंतरता
- जन्मदिन स्वच्छता सहयोगियों के साथ हमेशा

**श्रीमति अनीता शर्मा**
**जयहिन्द**

# जब बच्चे योग, मुद्राएं और हंसी की ऊर्जा से जुड़ते हैं, तब उनका शरीर, मन, चरित्र और भविष्य भी उज्ज्वल हो उठता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल में खेल विभाग द्वारा आयोजित विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में, श्रीमती के.के. एक्का, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा के मार्गदर्शन में योग गुरु महेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं तनाव प्रबंधन पर प्रेरक व्याख्यान और प्रायोगिक अभ्यास कराए। हास्यासन के समूह फोटो में बच्चों के चेहरों पर दिखती प्रसन्नता और ऊर्जा इस सत्र की प्रभावशीलता को दर्शाती है।बच्चों को यम-नियम, पतंजलि के अष्टांग योग, हस्त मुद्राओं और शरीर के चक्रों का महत्व बताया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए प्रेरक संदेश - यम और नियम बच्चों के चरित्र, अनुशासन, विनम्रता और सही जीवन-मूल्यों को विकसित करते हैं। अष्टांग योग मानसिक संतुलन, आचरण और आत्मविश्वास को स्थापित करता है। हस्त मुद्राएँ शरीर की ऊर्जा को सक्रिय कर मन को शांत और एकाग्र बनाती हैं। ज्ञान मुद्रा, प्राण मुद्रा जैसी मुद्राएँ बच्चों की स्मरण शक्ति और सृजनात्मकता को बढ़ाती हैं। मुद्राएँ शरीर के सूक्ष्म ऊर्जा-तंत्र को संतुलित कर स्वास्थ्य और मानसिक शक्ति को बढ़ाती हैं। चक्रों की सजगता बच्चों को अपनी आंतरिक ऊर्जा, भावनाओं और व्यक्तित्व को समझने में मदद करती है। जब चक्र संतुलित होते हैं तो मन उज्ज्वल, विचार सकारात्मक और व्यवहार सौम्य बनता है। चक्र जागरण बच्चों की आत्मचेतना और आत्मविश्वास को गहराई से मजबूत करता है। हास्यासन तनाव को तुरंत हटाता है और बच्चों को आनंद, उत्साह और ऊर्जा से भर देता है। हँसी से शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है और मन पूरी तरह हल्का और प्रसन्न हो जाता है। सामूहिक हास्यासन बच्चों में आत्मीयता, भाईचारा और सकारात्मक माहौल बनाता है। योग, मुद्राएँ और चक्र-जागरूकता बच्चों को स्वस्थ शरीर, शांत मन और उज्ज्वल भविष्य की दिशा देते हैं।

# राधा स्वामी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा का भोपाल दौरा सम्पन्न

**भोपाल।** राधा स्वामी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा का 5 दिसंबर का भोपाल दौरा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन ने आर्थिक समृद्धि योजनाओं, रोजगार सृजन और जनसेवा कार्यक्रमों पर विशेष बैठक आयोजित की।कार्यक्रम को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, स्टेट हेड राजू शिवहरे, तथा सेंट्रल ज़ोनल हेड निरंजन मिश्रा ने भी संबोधित किया। संगठन ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य समाज को रोजगार से जोड़ना, जरूरतमंदों को मकान उपलब्ध कराना, निशुल्क विवाह आयोजन, तथा शिक्षा के विस्तार जैसे जनसेवा कार्यों को मजबूत करना है।बैठक में बड़ी संख्या में अनुयायियों ने सहभागिता की और राष्ट्रीय अध्यक्ष से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर डिविजन कॉर्डिनेटर हरदा गजेंद्र तवर जितेन्द्र राजपूत रायसेन रामकेश राय उमरिया डिस्ट्रिक्ट पुष्पराज द्विवेदी रीवा वंदना कोरी कटनी पवन नामदेव नरसिंहपुर कमलेश देशमुख सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

# चौधरी ओमप्रकाश गोंदिया बने वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष

भोपाल।अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा में बड़ा परिवर्तन करते हुए समाजसेवी चौधरी ओमप्रकाश गोंदिया को संगठन का राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजेश करोसिया 'राजा भैया' की सहमति तथा मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रताप करोसिया की अनुशंसा पर की गई। नियुक्ति की घोषणा होते ही समर्थकों, पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं ने उन्हें बधाइयाँ दीं। कार्यक्रम में सुनील खरे, सुनील मैना, महेश लोहट, अतुल कुमार गोंदिया, श्यामलाल करोसिया, हर्षद मैना सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला 8 दिसम्बर को

भोपाल । आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय,मध्यप्रदेश एवं यूनिसेफ,मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के संबंध में प्रशिक्षण सह कार्यशाला 8 दिसम्बर को आयोजित होगी। आयुक्त एवं मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) आर्थिक एवं सांख्यिकी, श्री विकास मिश्रा ने बताया कि कार्यशाला सुबह 10 बजे से आर.सी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में होगी। आयुक्त एवं मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री मिश्रा ने बताया कि बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र उसकी एक पहचान है जो उसकी जन्म दिनांक एवं जन्म के स्थान को दर्शाती है। अक्टूबर 2023 से जन्म प्रमाण पत्र एक मात्र दस्तावेज जो हर क्षेत्र में मान्य किया जायेगा, चाहे वह स्कूल में एडमिशन हो नौकरी हो पासपोर्ट बनवाना हो इत्यादि। मृत्यु प्रमाण पत्र किसी भी व्यक्ति की मृत्यु का प्रमाण है जो यह बतलाता है कि वह अब इस दुनिया में नहीं है एवं उससे जुड़े समस्त क्लेम आदि उसके उत्तराधिकारी को दिए जा सकते है, का एक प्रमाणिक दस्तावेज है। मध्यप्रदेश विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण नियम 2008 के अनुसार विवाह रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य है, जो दो नवदम्पति की शादी का प्रमाण होता है, जिसके अभाव में व्यक्ति को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसकी प्रक्रिया को सरल करने के सम्बन्ध में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा लगातार अथक प्रयास किये जा रहे है।

# एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतिबिंब है राष्ट्रीय बालरंग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## देश के बच्चों के बीच में राष्ट्रीय बालरंग से भोपाल की बनी विशिष्ट पहचान

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में प्रतिवर्ष होने वाला राष्ट्रीय बालरंग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के उद्देश्य को बेहतर तरीके से पूरा कर रहा है। भोपाल का राष्ट्रीय बालरंग राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब बन गया है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में एक-दूसरे के राज्य की संस्कृति को समझने की जिज्ञासा पैदा करते हैं और बच्चों में देश की संस्कृति के प्रति लगाव बढ़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम भोपाल के राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में राष्ट्रीय बालरंग समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने लोक नृत्य पर केन्द्रित प्रतियोगिता के विजेता राज्यों के बच्चों को ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर लगभग 5 हजार वर्ष पहले भगवान श्रीकृष्ण आए। उनकी चौसठ कलाओं के ज्ञान से बच्चों को भारतीय प्राचीन कला को जानने का अवसर मिलेगा। मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम उज्जैन में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग से यह परिसर मिनी भारत का रूप बन जाता है। यह आयोजन हमें अपने देश की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का मौका देता है। प्रत्येक राज्य की अपनी नृत्य शैली है, जो बालरंग के मंच पर सामने आयी है। लोक नृत्य आंचलिक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हैं। विभिन्न राज्यों के बच्चे जब एक स्थल पर एकत्र होते हैं तो वे एक-दूसरे के राज्य के बारे में जानने का प्रयास करते हैं। इस तरह के भाव बच्चों में जिज्ञासा को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को भारत की विविधता के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रेष्ठ आयोजन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने देश के विभिन्न राज्यों से आए बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शायद ही दुनिया में भारत जैसा देश हो, जिसमें इतने प्रकार की संस्कृतियां आपसी मेल के साथ देखने को मिलती हैं। उन्होंने कहा कि भारत में हर 50 से 75 किलोमीटर में संस्कृति का बदलाव देखने को मिलता है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि कश्मीर देश के मुकुट के समान है। उन्होंने मध्यप्रदेश की मालवा, बुंदेलखंड, बघेली संस्कृति का भी उल्लेख किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बच्चों के प्रति विशेष लगाव देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री अपनी व्यस्तता के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों में निरंतर शामिल होते हैं।

राष्ट्रीय बालरंग समारोह में अनेक लोक नृत्यों और गीतों के माध्यम से भारत की संस्कृति के अनेक रंग, मंच पर दिखे और शानदार कला की अभिव्यक्त हुई। कुल 14 राज्य आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश एवं 5 केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, चण्डीगढ़ एवं लक्षदीप के 400 से अधिक शालेय विद्यार्थियों ने अपने राज्यों के नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के निदेशक श्री अमिताभ पांडे, अध्यक्ष नगर निगम भोपाल श्री किशन सूर्यवंशी, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता और बड़ी संख्या में कलाप्रेमी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

### राष्ट्रीय बालरंग के विजेता

भोपाल में हुए राष्ट्रीय बालरंग में प्रथम पुरस्कार झारखंड के छऊ लोकनृत्य को मिला। यह नृत्य झारखंड का राजकीय नृत्य है, जिसमें विशिष्ट मुखोटों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। द्वितीय पुरस्कार हरियाणा के घूमर लोकनृत्य को मिला। इस नृत्य में सामाजिक जीवन, प्रेम, तीज-त्यौहार और लोक कथाओं की झलक देखने को मिलती है। तृतीय पुरस्कार असम के बिहू लोकनृत्य को मिला। यह नृत्य असम की जीवंत आत्मा है और वहां पर यह नृत्य बसंत ऋतु के आगमन पर प्रमुखता के साथ किया जाता है। सांत्वना पुरस्कार मध्यप्रदेश के अहीर नृत्य, हिमाचल प्रदेश के नाटी लोकनृत्य और तीसरा सांत्वना पुरस्कार चंडीगढ़ के भांगड़ा, लुड्डी और झूमर नृत्य को मिला।

भोपाल। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर भाजपा ने बोर्ड आफिस चौराहे पर डॉ. अंबेडकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

भोपाल। कांग्रेस नेताओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बोर्ड आफिस चौराहे पर डॉ. अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको याद किया।

### कविता

कुंवर नारायण

कवि कुंवर नारायण साहित्य अकादमी सम्मान और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित हैं। चक्रव्यूह, परिवेश: हम तुम, अपने सामने, कोई दूसरा नहीं, इन दिनों, हाशिए का गवाह और कुमारजीव प्रमुख कृतियां प्रकाशित हैं।

**उसे खाली हाथ लौटाने से पहले**

क्यों उसे लौटकर आना पड़ता है
बार-बार उसी दुनिया में
लिए वही ख़ाली पात्र?

क्यों उसे लौट जाना पड़ता है।
हर बार उसी तरह ख़ाली हाथ?
मुट्ठी भर अन्न डालते हुए
उसके कटोरे में देखें।
हमारा दिया
उसकी विनय से छोटा तो नहीं।

मिट्टी के ख़ाली पात्र को नहीं
करुणा से भरी उसकी आँखों को देखें
कि हमारे द्वार पर आया भिक्षुक
कहीं बुद्ध तो नहीं?

## अमित बघेल के खिलाफ न्यायपूर्वक कार्यवाही के लिए अग्रबंधुओं ने जताया आभार

भोपाल - अमित बघेल जो अपने आप को एक पार्टी का नेता बताता है, ने कुछ सप्ताह पहले मीडिया में और सार्वजनिक वक्तव्यों के दौरान महाराजा अग्रसेन जी एवं अन्य प्रतिष्ठित सामाजिक-धार्मिक आस्थाओं के प्रतीकों पर आपत्तिजनक और अवमाननापूर्ण टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी ने न केवल अग्रवाल समाज बल्कि अन्य कई समुदायों की आस्था और सम्मान को झकझोर दिया था। विभिन्न शहरों में लोग, सामाजिक संस्थाएं एवं अग्रवाल समाज और अन्य समाजों के प्रतिनिधियों ने मिलकर धरना दिया, और पुलिस एवं राज्य सरकारों से अमित बघेल को गिरफ्तार करने की मांग की थी। जन-दबाव तथा न्यायिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, अमित बघेल के खिलाफ मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों में मुकदमे दर्ज हुए। अदालत ने जमानत अर्जी को खारिज किया और सख्त कार्यवाही करते हुए जेल की सज़ा सुनाई। समग्र अग्रवाल समाज ने अमित बघेल के खिलाफ इस आंदोलन में एक अग्रणी भूमिका निभाई। समग्र अग्रवाल समाज आज न सिर्फ इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करता है, बल्कि दोनों राज्य सरकार (एम.पी. व छ.ग.) और पुलिस एवं न्याय व्यवस्था को 'तेज़, निष्पक्ष एवं संवेदनशील' कार्रवाई के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद भी देता है। इस न्याय पूर्वक कार्यवाही के लिए समग्र अग्रवाल समाज एम.पी. व छ.ग. राज्य सरकारों, पुलिस विभाग एवं न्याय व्यवस्था का हृदय से अभिनन्दन करता है। समग्र अग्रवाल समाज के मुख्य संयोजक सुनील गर्ग का कहना है कि 'यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं है - यह भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक गौरव की रक्षा का मामला है।

## सांसद बंटी विवेक साहू ने लोकसभा में कफ सिरप का मामला उठाकर तमिलनाडु सरकार को घेरा

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू लोकसभा में देश के ज्वलिंत मुद्दों पर लगातार अपनी बात रख रहे है। जिसका जवाब केन्द्रीय मंत्रियों द्वारा दिया जा रहा हैं। शुक्रवार को सांसद श्री साहू ने लोकसभा में कफ सिरप मामले को लेकर तमिलनाडु सरकार को घेरा। सांसद ने लोकसभा ने कहा कि मैं सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि दवा निर्माण और परीक्षण के लिए कानूनी और नियामक ढांचे को सुदृढ़ करने हेतु तत्काल और निर्णायक कदम उठाए जाए। बंटी विवेक साहू ने लोकसभा में शुन्यकाल के दौरान कफ सिरप मामले को लेकर अपनी बात रखते हुए लोकसभा सभापति से कहा महोदय मैं एक बहुत ही संवेदनशील विषय पर चर्चा कर रहा हूँ। मैं आज दुखी मन से मेरे संसदीय क्षेत्र छिन्दवाड़ा के परासिया में पिछले दिनों अमानक कफ सिरप से जान गंवाने वाले बच्चों तथा उनके परिवारों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त करते हुए व्यवस्था बनाने का अनुरोध करना चाहता हूँ। यह घटना मेरे लिए अत्यत पीड़ादायक है। इस घटना ने हम सभी को स्तब्ध किया है। उन्होंने कहा महोदय मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दवाइयों के निर्माण की प्रक्रिया की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। भोपाल राज्य फोरेंसिक साइस लैबोरेटरी द्वारा किए गए परीक्षण के अनुसार जानलेवा कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायथीलीन ग्लाइकोल निर्धारित मात्रा से 400 प्रतिशत अधिक मात्रा में पाया गया और यह कैमिकल बच्चों के लिए घातक साबित हुआ और इसके सेवन से कई बच्चों की मौत हुई।

# वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर कृषि वर्ष के रूप में मनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

## उन्नत कृषि के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि के लिए हों प्रयास

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि का क्षेत्र गरीब वर्ग और किसानों को लाभ पहुंचाने वाला मुख्य क्षेत्र है। कृषि से संबद्ध गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को रोजगार और स्वावलंबन के भी कई अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में नवाचार की पर्याप्त संभावना है। प्रदेश की विविधता से परिपूर्ण भौगोलिक स्थिति को देखते हुए खेती से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों को गति दी जाए। धान की खेती को प्राथमिकता देने के साथ गेहूं, चना, दलहन, तिलहन, हॉर्टीकल्चर आदि के क्षेत्र में भी अन्य राज्यों के साथ ही अन्य देशों में हो रहे नवाचारों से अवगत कराने के लिए कृषकों को विविध देशों का भ्रमण कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश शुक्रवार को वर्ष 2026 के कृषि वर्ष मनाने के संबंध में विधानसभा के समिति के कक्ष में आयोजित बैठक में दिए। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, पूर्व मंत्री श्री गोपाल भार्गव, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की टैगलाइन के साथ कृषि वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस रहेगा। किसानों की आय दोगुनी करने से आगे बढ़कर कृषि को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक प्रेरित, रोजगार सृजन मॉडल में परिवर्तित करना कृषि वर्ष का मूल उद्देश्य है। अतः आत्मनिर्भर किसान, उन्नत कृषि और कृषकों के हित में बाजार से संबंधों के आधार पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के माध्यम से समृद्ध प्रदेश के निर्माण के विजन से गतिविधियां संचालित की जाएं।

कृषि उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य एवं वानिकी सहित सभी संबद्ध क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए जिला आधारित क्लस्टर विकास के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं। उच्च उत्पादकता, प्राकृतिक खेती, डिजिटल सेवाओं, प्रसंस्करण एवं निर्यात उन्मुख कृषि के माध्यम से किसान की शुद्ध आय में वृद्धि के लिए प्रयास हों और ग्रामीण युवाओं के लिए नई पीढ़ी के कृषि आधारित रोजगार जैसे ड्रोन सर्विस, एफपीओ प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, हाइड्रोपोनिक्स आदि के अवसरों का सृजन किया जाए। किसानों की शुद्ध आय में तेजी और स्थायी वृद्धि करने, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करने, किसानों के लिए उनके उत्पादों की बाजार में पहुंच सुनिश्चित करने और उनकी खाद्य प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में कृषि वर्ष का मासिक कैलेंडर तैयार किया गया, जिसमें किसानों को साथ लेकर राज्य से जिला स्तर तक महोत्सव, मेले आदि की रूपरेखा बनी। गैर सरकारी और उन्नत किसानों को भी इन प्रयासों से जोड़ा जाएगा। बैठक में बताया गया कि कृषि वर्ष 2026 में प्राकृतिक खेती को हर गांव तक पहुंचाने, आर्गेनिक तथा अन्य कृषि उत्पादों को बेहतर बाजार मूल्य उपलब्ध कराने, कृषि और कृषि मंडियों के आधुनिकीकरण, बेहतर मृदा संरक्षण, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पशुपालन और डेयरी तथा मछली पालन में नवाचार पर विशेष फोकस रहेगा। वर्ष 2026 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में की जाने वाली गतिविधियों और वातावरण निर्माण और किसानों की जागरूकता के लिए चलाए जाने वाले अभियानों की माहवार जानकारी दी गई। कृषि वर्ष में होने वाली गतिविधियों के अंतर्गत राज्य स्तरीय एग्रो विजन कार्यक्रम और प्रत्येक जिला और विकासखंड स्तर पर मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती और उर्वरकों के संतुलित उपयोग के संबंध में गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

# मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 की संवेदनशील एवं त्वरित कार्यवाही

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** मध्यप्रदेश में डायल-112 की त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली लगातार आम जन की सुरक्षा और जीवन रक्षा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। बीते दिनों रायसेन, देवास और छिंदवाड़ा जिलों में तीन अलग-अलग घटनाओं के दौरान आत्महत्या का प्रयास कर रहे व्यक्तियों को समय रहते बचाने में डायल-112 के पुलिसकर्मियों ने तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीयता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

रायसेन जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में मखनी गाँव में एक 35 वर्षीय व्यक्ति द्वारा स्वयं को कमरे में बंद कर आत्महत्या के उद्देश्य से फाँसी लगाने का प्रयास कर रहा था। जिसकी सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम, डायल-112 भोपाल में प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन घटना स्थल के लिए रवाना हुआ। आरक्षक संजय श्रीवास्तव एवं पायलेट रोहित कुमार ने मौके पर पहुँचकर स्थानीय लोगों की मदद से गेट तोड़ कर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल फंदे से उतारा। डायल 112 जवानों ने पीड़ित व्यक्ति को एफआरव्ही वाहन से लेकर तत्काल जिला शासकीय चिकित्सालय रायसेन में भर्ती करवाया। दूसरी घटना देवास जिले के थाना भौंरासा क्षेत्र की है, जहाँ एक 21 वर्षीय महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या का प्रयास किया। यह सूचना प्राप्त होते ही आरक्षक अरुण रावत और पायलट अनुराग चौधरी मौके पर पहुँचे। उन्होंने समझाइश, संवाद और संवेदनशील व्यवहार के माध्यम से महिला को आत्मघाती कदम उठाने से रोका और उसे सुरक्षित थाना भौंरासा लाया गया। तीसरी घटना छिंदवाड़ा जिले के थाना अमरवाड़ा क्षेत्र में हुई, जहाँ 24 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। सूचना प्राप्त होते ही सैनिक गेंदालाल यादव एवं पायलट उमेश पुरी गोस्वामी ने युवक को तुरंत सिविल अस्पताल अमरवाड़ा पहुँचाकर उपचार शुरू कराया। युवक का इलाज जारी है। डायल-112 की इन लगातार त्वरित और प्रभावी कार्रवाइयों ने यह सिद्ध किया है कि मध्यप्रदेश पुलिस की यह सेवा आपात पुलिस सहायता के साधन के साथ मानव जीवन की रक्षा करने वाली 'जीवन-रेखा' बनती जा रही है।

मध्यप्रदेश पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव, अवसाद या संकट की स्थिति में स्वयं को नुकसान पहुँचाने के बजाय सहायता के लिए पुलिस या अपने निकटवर्ती लोगों से संपर्क करें।

# खाद्यान्न भंडारण अब होगा फुल-प्रूफ: निरीक्षण, नमी और फ्यूमिगेशन ऐप से व्यवस्था होगी रियल-टाइम

**भोपाल सांध्यप्रकाश।** मध्यप्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने शुक्रवार को ग्वालियर से अनाज गोदामों की निगरानी को आधुनिक, सटीक और पूर्णतः पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तीन महत्वपूर्ण मोबाइल ऐप- निरीक्षण ऐप, नमी मापक ऐप और फ्यूमिगेशन ऐप लॉन्च किये। इन ऐप्स के माध्यम से खाद्यान्न भंडारण प्रणाली में तकनीक आधारित मॉनिटरिंग लागू होगी। इससे गड़बड़ियों पर स्वतः अंकुश लगेगा और नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता का अनाज उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है, खाद्यान्न की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गोदाम प्रबंधन में शत-प्रतिशत पारदर्शिता लाई जाए। अब निरीक्षण से नमी मापन और फ्यूमिगेशन तक की डिजिटल ट्रैकिंग होगी। इससे गड़बड़ी पर रोक लगेगी और जनता को बेहतर गुणवत्ता का खाद्यान्न उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित होगा।

### इन ऐप्स से होगी मॉनिटरिंग

**निरीक्षण ऐप:** मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस ऐप से रियल-टाइम निगरानी होगी। यह ऐप गोदामों के भौतिक निरीक्षण को पूरी तरह रियल-टाइम और लोकेशन-बेस्ड बना देगा। निरीक्षण का रोस्टर भोपाल मुख्यालय से तैयार होगा। इसके अलावा एक ब्रांच के गोदाम का निरीक्षण दूसरी ब्रांच के प्रबंधक द्वारा किया जाएगा, जिससे क्रॉस वेरिफिकेशन सुनिश्चित होगा। अधिकारी को गोदाम पर फिजिकली मौजूद रहने पर ही निरीक्षण भरने और फोटो अपलोड करने की अनुमति होगी। यदि निरीक्षक 100 मीटर से अधिक दूरी पर है, तो ऐप निरीक्षण स्वीकार ही नहीं करेगा। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सभी जानकारी रियल-टाइम पोर्टल पर दर्ज होगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

**नमी मापक ऐप:** खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि डिजिटल मॉइस्चर मीटर से हर माह सटीक रिपोर्टिंग होगी। अब तक नमी मापन की प्रक्रिया मैनुअल थी, लेकिन नए ऐप से यह पूर्णतः डिजिटल और सटीक हो जाएगी। डिजिटल मॉइस्चर मीटर से स्टैक की ऊपरी, मध्य और निचली परत की नमी मापी जाएगी। मापन के बाद ऐप से निकली डिजिटल पर्ची का फोटो अपलोड करना अनिवार्य होगा। हर गोदाम की नमी रिपोर्ट प्रतिमाह रियल-टाइम उपलब्ध होगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि जिला प्रबंधक अब सीधे भारतीय खाद्य निगम को नमी के डेटा भेज सकेंगे। यह सुधार भंडारित अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

**फ्यूमिगेशन ऐप:** मंत्रीश्री राजपूत ने बताया कि दवा छिड़काव की पूरी प्रक्रिया अब डिजिटल रिकॉर्ड में रहेगी। फ्यूमिगेशन प्रक्रिया अब कागज रहित होकर डिजिटल रूप से रिकॉर्ड होगी। दवाओं का छिड़काव ब्रांच मैनेजर द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि की मौजूदगी में होगा। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न को कवर करने और कवर हटाने तक की पूरी फोटो प्रक्रिया ऐप में अपलोड करनी होगी। दवाओं का छिड़काव सफल रहा या नहीं, यह जानकारी भी ऐप में दर्ज करनी होगी। जब तक फ्यूमिगेशन सफल न हो जाए, तब तक स्टॉक इश्यू नहीं हो सकेगा। यह कदम अनाज की सुरक्षा, गुणवत्ता और उपभोक्ता स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## संपादकीय

# आसमान में संकट

देश के घरेलू आसमान में इंडिगो की विशाल उपस्थिति ने भले ही भारतीय विमानन को गति दी, परंतु वर्तमान व्यवधान ने एक बात तो सिद्ध कर दी है कि अत्यधिक केंद्रीकरण किसी भी उद्योग के लिए कितना जोखिमपूर्ण साबित हो सकता है। और, इससे कई हजार लोग तक प्रभावित हो सकते हैं। यह सिद्धांत हर क्षेत्र में लागू होता है, यदि समझ में आये तो...।

इंडिगो की उड़ानों को लेकर पिछले कुछ दिनों की उथल-पुथल ने सामान्य यात्रियों, निवेशकों, नियामकों और प्रतिस्पर्धी कंपनियों को समान रूप से प्रभावित किया है। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ एक एयरलाइन का परिचालन संकट नहीं अपितु इसने भारतीय विमानन प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर किया है।

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन यानि आईएटीए की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय घरेलू उड़ानों में इंडिगो का प्रभुत्व वर्षों से बढ़ता रहा है। और यही ताकत अब बाजार की बड़ी कमजोरी बन गई। जब अमेरिकी या यूरोपीय बाजार में कोई बड़ी एयरलाइन अवरोध का सामना करती है, वहां प्रतिस्पर्धी कंपनियां तुरंत दबाव कम कर पाती हैं। लेकिन भारतीय व्यवस्था में हाल ही में विलय, फ्लीट की कमी और नए विमानों की धीमी आपूर्ति ने संतुलन की क्षमता लगभग समाप्त कर दी है।

विश्लेषक मानते हैं कि भारतीय बाजार में यात्रियों के लिए विकल्प का दायरा अत्यंत सिमट चुका है। इसलिए जैसे ही इंडिगो के नेटवर्क की लय टूटी, पूरे सेक्टर सहित आसमान तक में अफरातफरी मच गई। एयरफेयर अप्रत्याशित रूप से बढ़ गए। कई रूट पर प्रतिस्पर्धी एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाया और 5 से 7 हजार की टिकटें लगभग 8 से 10 गुना बढ़ गई। यह संकेत है कि भारत में घरेलू विमानन विकेंद्रीकृत प्रतिस्पर्धा के अभाव का सामना कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार संकट के दौरान सबसे अधिक नुकसान यात्रियों को हुआ, और उनका संरक्षण लगभग नगण्य रहा। यही कारण है कि हालिया अव्यवस्था ने तीन बड़े सवाल खड़े किए हैं। पहला, क्या भारत को यूरोपीय देशों की तरह मजबूत पैसेंजर कंपेनसेशन कोड अपनाना चाहिए? दूसरा,क्या एयरलाइंस को फ्लाइट रद्द होने के समय स्पष्ट कारण बताना अनिवार्य होना चाहिए? और क्या यात्रियों को वास्तविक समय में रोस्टरिंग व स्टाफिंग स्थिति की जानकारी देने का कोई पारदर्शी तंत्र बनना चाहिए?

उपभोक्ता समूहों का आरोप है कि कंपनियां रद्दीकरण का बोझ हमेशा यात्रियों पर डालती हैं, जबकि परिचालन जोखिम उनकी अपनी जिम्मेदारी है। आईएटीए की रिपोर्ट कहती है कि स्टाफ संरचना, प्रशिक्षण क्षमता और नियामक संकेत लंबी अवधि की समस्या का शुरुआती संकेत है। गहराई में जाएं तो यह संकट अचानक नहीं आया। यह स्टाफिंग मॉडल से उपजा संकट है। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स यानी एफआईपी ने आरोप लगाया है कि इंडिगो को नए नियमों की तैयारी के लिए दो साल का समय मिला था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने समय रहते भर्तियां नहीं कीं। उल्टा, भर्ती पर रोक लगा दी।

इंडिगो ने एयरबस ए320 ऑपरेशंस के लिए रात की ड्यूटी के नियमों से 10 फरवरी 2026 तक की छूट मांगी है। एयरलाइन ने तर्क दिया कि यात्रियों की असुविधा को कम करने और सुरक्षा मार्जिन बनाए रखने के लिए यह राहत जरूरी है। इस बीच, डीजीसीए ने विमानन कंपनियों में चालक दल के सदस्यों के लिए साप्ताहिक विश्राम से जुड़े अपने हालिया सख्त निर्देशों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। इंडिगो के लिए ही नहीं, पूरी विमानन इंडस्ट्री के लिए वर्तमान संकट एक वेक-अप कॉल की तरह है। मतलब, अब जागने का समय है। जिस 'लीन मॉडल' ने अब तक एयरलाइन को मुनाफे में रखा था, वही मॉडल अब कड़े सुरक्षा नियमों और स्टाफ की कमी के कारण जवाब दे गया। पूरी व्यवस्था के पटरी पर लौटने में अभी थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन यात्रियों पर सारा ठीकरा फोड़ने की ये प्रथा भी बंद होना चाहिए। इसके लिए उपभोक्ताओं को भी चेतना होगा और सरकार को भी वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर गंभीरता से विचार करना होगा।

# संचार साथी ऐपः अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

-ललित गर्ग-

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे ब?ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

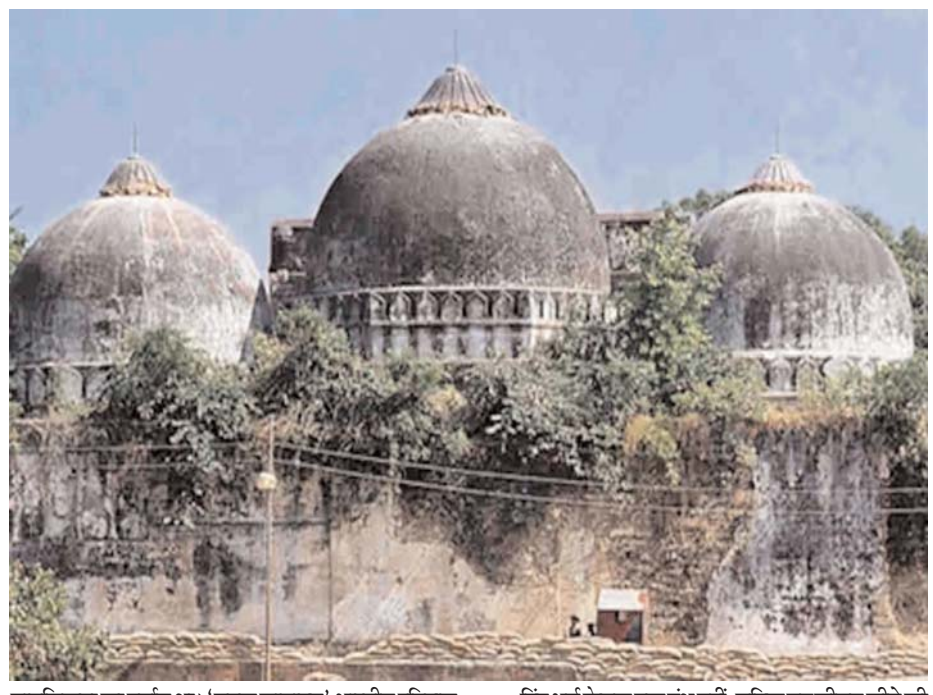

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी ल?ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट की सरकार को निष्क्रिय ख?ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्टीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्टीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों, तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाध?ी, फर्जीवा?ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठा परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्टीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

### 6 दिसंबर विशेषः बाबरी ढांचा ढहना असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक भी है

# 6 दिसंबर केवल शौर्य नहीं, 'सर्वधर्म समभाव' के संकल्प का दिवस भी है



- प्रहलाद सिंह पटेल

6 दिसंबर,1992; का दिन केवल शौर्यगाथा नहीं, 'असत्य पर सत्य की जीत' का भी प्रतीक है। इसे आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाती रही है। सनातन संस्कृति में 'शौर्य' केवल साहस, निडरता या बलिदान का प्रतीक नहीं है। यह नैतिक बल, आत्म-त्याग तथा विषम परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने का 'सत्व' भी है। अधर्म; असत्य का प्रतीक ढांचा यदि सदियों टिका रहा, तो यह संयम एवं परीक्षा ही थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' में कहा गया है कि किसी व्यक्ति का स्वाभाविक कर्तव्य, उसकी प्रकृति और जीवन जीने का उद्देश्य मात्र ही धर्म नहीं है। धर्म; वो कर्म है, जो सर्व कल्याण के लिए हो, जिसे आपकी आत्मा अनुमति दे। सत्य, अहिंसा और समर्पण का गुण मिश्रित हो।

सर्व कल्याण के लिए एक श्लोक प्रचलित है-

?सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत् ॥

सनातन धर्म एवं संस्कृति में कभी; किसी के अनादर का भाव नहीं रहा। इसलिए बाबरी पतन की घटना 'शौर्य दिवस' के रूप में मनाने का उद्देश्य दंभ का प्रदर्शन कतई नहीं है। बाबर क्रूरता, अन्याय के साथ मानवता और धर्म विरोधी



मानसिकता का पर्याय था। 'मुगल साम्राज्य' भारतीय इतिहास का काला अध्याय है। साम्राज्यवादी सोच स्वयं के विनाश का कारण बनती है। मुगलों का अंत इसी का परिणाम है।

हिंदू धर्म केवल एक पंथ नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की सनातन पद्धति-कला है, संस्कृति है। सनातन संस्कृति में समता, समानता और सद्भाव का समावेश है। इसमें 'वसुधैव कुटुम्बकम' का सत् आचरण-भाव है। सनातन संस्कृति विध्वंस में नहीं, सृजन में विश्वास करती है। बाबरी ढांचे का पतन नव सृजन का आरंभ था।

'होई वही जो राम रचि राखा !÷ श्रीराम ने जो तय किया है, रचा है, होगा वही। अयोध्या में श्रीरामलला विराज चुके हैं। प्रभु श्रीराम सदाचार, धर्म, मर्यादा, और न्याय के प्रतीक हैं। वे सत्य, साहस, और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके नाम के साथ %चंद्र% जुड़ा है, जो सुंदरता और शांत, सौम्य स्वभाव को दर्शाता है। इसलिए भगवान राम के अनुयायी, भक्त किसी 'अहम' में नहीं जीते। इसलिए 'शौर्य दिवस' शक्ति प्रदर्शन नहीं, यह भारत में 'रामराज्य' की स्थापना के प्रति एक संकल्प है। एक ऐसा शासन; जिसमें 'सर्वधर्म समभाव' निहित हो। यही शाश्वत सत्य है, यही सनातन धर्म की विशिष्टता-पहचान है।

25 नवंबर, 2025 को अध्योध्या में ध्वजारोहण के साथ राम मंदिर की पूर्णत~इस बात का संदेश है कि रामराज्य हमारे शासन की व्यवस्था का मूल है।

मेरे आराध्य श्रीश्री बाबाश्री जी की एक अमृत वाणी है- 'बुराई कहीं से भी पैदा हो, उससे हमें ही लड़ना पड़ेगा या लड़ना पड़ता है। यदि वह शक्ति प्राप्त करती जाएगी, तो हमें ही उसकी वेदना से पीड़ित होना होगा और उपचार भी हमको ही करना होगा।'

**(लेखक मप्र सरकार में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री हैं)**

# 6 दिसंबर का इतिहासः भारत की मान्यता ने कैसे 16 दिसंबर की जीत का खोला रास्ता



कौशिकी

भारत और बांग्लादेश के इतिहास में 6 दिसंबर 1971 का दिन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसी दिन भारत दुनिया के उन शुरुआती देशों में शामिल हो गया, जिन्होंने बांग्लादेश को एक संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट के रूप में मान्यता दी थी।

आज के दिन की कहानी्यह कहानी सिर्फ एक देश की आजादी की नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आशा और भारत के अटल समर्थन की है। साल 1971 में, जब पूर्वी पाकिस्तान में अत्याचारों की इंतहा हो गई, तब भारत ने मानवता की आवाज सुनी। 3 दिसंबर को शुरू हुए युद्ध के बीच, 6 दिसंबर 1971 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक साहसिक फैसला लिया।

उन्होंने बांग्लादेश को संप्रभु राष्ट के रूप में मान्यता देकर दुनिया को साफ बता दिया कि भारत लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों के साथ खड़ा है। यह ऐतिहासिक घोषणा केवल एक राजनयिक मुहर नहीं थी। बल्कि भारत-बांग्लादेश मैत्री की नींव थी, जिसने 16 दिसंबर को जीत का रास्ता खोल दिया।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के सीनियर फेलो सुशांत सरीन भी इस बात से सहमत थे। पाकिस्तान कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहता कि बांग्लादेश का बनना उसके अत्याचार की कहानी है। आइए जानें...

1971 में जिसे हम आज बांग्लादेश कहते हैं वह पाकिस्तान का ही एक हिस्सा था। इसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था। सत्ता और शक्ति का केंद्र पश्चिमी पाकिस्तान में था। इसके कारण पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को लगातार भेदभाव और दमन झेलना पड़ रहा था। शेख मुजीब-उर रहमान के नेतृत्व में उनकी पार्टी अवामी लीग ने 1970 के चुनावों में बहुमत हासिल किया। लेकिन, पश्चिमी पाकिस्तान की सैन्य सरकार ने उन्हें सत्ता सौंपने से इनकार कर दिया।

इसके जवाब में, पूर्वी पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया। ये इतिहास के सबसे क्रूर नरसंहारों में से एक था। लाखों लोग मारे गए और लगभग एक करोड़ शरणार्थी जान बचाकर भारत के पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय जैसे राज्यों में आ गए। यह शरणार्थी संकट भारत के लिए असहनीय आर्थिक और सामाजिक बोझ बन चुका था। इसके साथ ही, सुरक्षा का खतरा भी लगातार बढ़ रहा था।

भारत ने शुरू से ही पूर्वी पाकिस्तान के लोगों के न्याय के लिए आवाज उठाई। भारतीय सेना ने मुक्ति वाहिनी को प्रशिक्षण और हथियार देकर समर्थन देना शुरू कर दिया था। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने पश्चिमी सीमा पर भारतीय हवाई अड्डों पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले के साथ ही भारत-पाकिस्तान युद्ध की औपचारिक शुरुआत हो गई।

भारत ने तुरंत युद्ध का जवाब दिया और पूर्वी तथा पश्चिमी दोनों मोर्चों पर जवाबी कार्रवाई शुरू की। जब युद्ध शुरू हुआ, तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तत्काल निर्णय लिया। 6 दिसंबर 1971 को भारतीय संसद में यह ऐतिहासिक घोषणा की गई कि भारत अब बांग्लादेश को एक संप्रभु राष्ट के रूप में मान्यता देता है।



भारत की यह मान्यता सिर्फ एक घोषणा नहीं थी, बल्कि यह बांग्लादेश के संघर्ष के लिए एक बड़ा मोड़ था। इस घोषणा से मुक्ति वाहिनी और बांग्लादेशी लोगों का आत्मविश्वास चरम पर पहुंच गया। भारत के इस साहसी कदम ने अंतर्राष्टीय समुदाय पर भी दबाव बनाया। सोवियत संघ (स्ध्1द्वद्दह्ल ठ्ठद्वश्ठ्ठ) ने संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद में भारत के पक्ष में वीटो का इस्तेमाल किया।

यह मान्यता मिलने के बाद, भारतीय सेना ने ढाका की ओर तेजी से कदम बढ़ाए। भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के संयुक्त प्रयास के सामने पाकिस्तानी सेना टिक नहीं पाई। अंततः 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के प्रमुख ने 93,000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया। यह बांग्लादेश के जन्म का ऐतिहासिक क्षण था, जिसकी नींव 6 दिसंबर को भारत ने रखी थी।

6 दिसंबर का दिन अब बांग्लादेश में %मैत्री दिवस% के रूप में मनाया जाता है। यह भारत और बांग्लादेश के बीच खून के रिश्ते का प्रतीक है। भारत की मान्यता ने बांग्लादेश को वैश्विक मानचित्र पर एक स्वतंत्र राष्ट के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

यह ऐतिहासिक कदम बताता है कि भारत हमेशा लोकतंत्र, न्याय और मानवीय गरिमा के सिद्धांतों के पक्ष में खड़ा रहा है। आज भी भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध मजबूत हैं, जिसकी नींव इसी ऐतिहासिक तारीख को पड़ी थी।

6 दिसंबर 1971 को भारत ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश को एक संप्रभु और स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता प्रदान की थी। यह मान्यता उस समय दी गई जब 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध चल रहा था। यह कदम बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम को अंतर्राष्टीय समर्थन देने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इस कदम के बाद भारत पहला देश बन गया था जिसने बांग्लादेश को मान्यता दी। सिर्फ 13 दिनों तक चला ये युद्ध इतिहास के सबसे छोटे युद्धों में से एक था।

16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने ढाका में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस ऐतिहासिक दिन के साथ ही बांग्लादेश का जन्म हुआ। भारत का यह फैसला लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए एक बड़ी जीत थी। भारत ने सिर्फ एक पड़ोसी को आजाद कराने में मदद नहीं की। बल्कि उसने अपने देश की अखंडता और सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया। बांग्लादेश और भारत के संबंध आज भी गहरे और मैत्रीपूर्ण हैं, जिसकी नींव इसी ऐतिहासिक घटना ने रखी थी।

हर दिन का अपना एक अलग महत्व होता है और 06 दिसंबर का दिन भी इतिहास (आज की यादगार घटनाएं) में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है।

इस दिन दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। आइए जानते हैं 06 दिसंबर (आज की तारीख का इतिहास) को भारत और विश्व में घटी कुछ प्रमुख घटनाओं के बारे में, जो आपके सामान्य ज्ञान को बढ़ा सकती हैं।

1060~ बेला प्रथम चैंपियन को हंगरी का राजा घोषित किया गया था।

1723~ सम्राट कैरेल ने छठी व्यावहारिक संविधान की घोषणा की थी।

1724~ लंदन में कॉली सिब्बेर के नाटक ÷सीज़र इन मिस्त्र÷ का प्रीमियर हुआ।

1768~ एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका का पहला संस्करण प्रकाशित किया गया।

1774~ ऑस्ट्रिया राजकीय शिक्षा व्यवस्था लागू करने वाला पहला देश बना।

1848~ फ्रांज शिलक के नेतृत्व में ऑस्ट्रियाई सेना ने हंगरी पर हमला किया।

1865~ अमेरिकी संविधान में तेरहवें संशोधन की पुष्टि के बाद दासता को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया गया।

### 6 दिसंबर - भारतीय होमगार्ड स्थापना दिवस

# राष्ट्र की सुरक्षा तभी पूर्ण होती है, जब हर नागरिक में संयम, अनुशासन, सेवा और सजगता का दीप जागृत हो



महेश अग्रवाल

6 दिसंबर का राष्ट-सेवा का महापर्व भारत की सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं में पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बलों के साथ एक ऐसा बल भी है, जिसे प्रायः कम बोला जाता है परंतु जिसका योगदान अत्यंत व्यापक, वास्तविक और ज़मीनी है - यह है भारतीय गृह रक्षक (होम गार्ड)। हर वर्ष 6 दिसंबर को देश भर में भारतीय होमगार्ड स्थापना दिवस मनाया जाता है वह दिन जब इस स्वैच्छिक नागरिक-सुरक्षा बल की स्थापना हुई थी। होम गार्ड केवल वर्दी पहनने वाला बल नहीं है - वे अदृश्य प्रहरी हैं। वे ऐसे जनसेवक हैं जो संकट, आपदा, दुर्घटना, युद्धकाल, भीड़-नियंत्रण, सामाजिक कार्यक्रमों और राष्ट के हर संवेदनशील क्षण में पहली पंक्ति में खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। होम गार्ड दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, अनुशासन, योग-भावना और आध्यात्मिक कर्तव्य चेतना का स्मरण-पर्व है।

होम गार्ड - नागरिक सुरक्षा का जीवंत रूप होम गार्ड का पूरा तंत्र नागरिक - सेना के सिद्धांत पर आधारित है - यानी देश का हर सामान्य नागरिक भी राष्ट की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। होम गार्ड की मूल अवधारणा - देश के नागरिकों को संकट और आपदा से लड़ने के लिए प्रशिक्षित करना, पुलिस बल को सहयोग देना, सामाजिक सुरक्षा बनाए रखना, आपात परिस्थितियों में प्रशासन के कार्यों को सुचारू रूप से चलाना, जनता और शासन के बीच संवेदनात्मक पुल बनना यह बल पूरी तरह ड्यूटी - देशभक्ति - अनुशासन - त्याग की भूमि पर टिका हुआ है।

होम गार्ड दिवस का महत्व 6 दिसंबर का दिन हमें याद दिलाता है कि - राष्ट की सुरक्षा केवल हथियारों से नहीं, चरित्र, सजगता और अनुशासन से होती है। समाज की ताकत केवल सरकारी संस्थाओं से नहीं, प्रशिक्षित और जागरूक नागरिकों से आती है। संकट के समय सबसे पहले दौड़कर मदद करने वाले होम गार्ड ही होते हैं। होम गार्ड दिवस मनाना - राष्ट के प्रति दायित्वबोध, सामूहिक शक्ति और आत्म-अनुशासन का स्मरण है।

होम गार्ड की सेवाएँ - राष्ट के हर मोर्चे पर- आपदा प्रबंधन में अग्रणी भूमिका - बाढ़, भूकंप, आगजनी, भूस्खलन, तूफान, राहत-बचाव कार्य, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाना, प्राथमिक उपचार, सुरक्षा और व्यवस्था स्थापित करना। समाज में शांति बनाए रखना, त्योहारों में भीड़-नियंत्रण, सामाजिक कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था में सहयोग, संवेदनशील क्षेत्र में तैनाती। पुलिस-प्रशासन का विश्वसनीय सहयोगी, गश्त, चेकिंग, कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण में मदद। राष्ट्ररक्षा से जुड़ी भूमिकाएँ - युद्धकाल में सहायक बल, राष्टीय सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।

प्रशिक्षण और जागरूकता - युवाओं में अनुशासन, सुरक्षा और जागरूकता का प्रसार - समाज को संकट-प्रबंधन सिखाना - इन सभी कार्यों में होम गार्ड का योगदान अमूल्य और अपरिहार्य है।

होम गार्ड - सेवा भाव में योग का स्वरूप यदि हम गहराई से देखें तो होम गार्ड की पूरी संरचना योग-दर्शन पर आधारित है। सेवा योग (कर्मयोग) - योग में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा - निष्काम कर्म ही मोक्ष का मार्ग है। होम गार्ड निःस्वार्थ सेवा का वास्तविक उदाहरण है। अनुशासन योग - योगाभ्यास की तरह होम गार्ड का जीवन भी अनुशासन पर आधारित है - समय, सजगता, संयम, शारीरिक - मानसिक स्थिरता। मन की एकाग्रता (ध्यान योग) - आपदा, आगजनी या भीड़-नियंत्रण जैसे कामों में, पल भर में निर्णय लेना होता है। यह केवल ध्यानमय मन ही कर सकता है। प्राणायाम से साहस और स्थिरता - संकट की स्थिति में, अधिक तनाव, अधीरता और डर पैदा हो सकता है। प्राणायाम ही श्वास को स्थिर रखकर मन को संतुलित बनाता है। योगिक दृष्टिकोण - सर्वे भवंतु सुखिनः - होम गार्ड का मूल दर्शन भी यही है - सब सुरक्षित रहें, सब प्रसन्न रहें।

होम गार्ड और स्वास्थ्य - क्यों इनका जीवन योगी - जीवन होता है? एक होम गार्ड को शारीरिक शक्ति, मानसिक शांतता और भावनात्मक संतुलन - तीनों की आवश्यकता होती है। शारीरिक स्वास्थ्य - चुस्ती, फुर्ती, सहनशक्ति, त्वरित प्रतिक्रिया, मजबूत प्रतिरोधक क्षमता, नियमित व्यायाम, योग, दौड़, प्राणायाम - इन्हें स्वस्थ बनाए रखते हैं। मानसिक स्वास्थ्य - हर स्थिति में शांत बने रहना ही इनकी शक्ति है। प्राणायाम और ध्यान इनके लिए अत्यंत उपयोगी हैं - अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाति, नाड़ी शोधन इनसे तनाव कम होता है और निर्णय-क्षमता बढ़ती है। भावनात्मक संतुलन - आपदा या दुर्घटना में संवेदनाओं का संतुलन होना बहुत आवश्यक है। योग से भावनाएँ नियंत्रित रहती हैं। सामूहिक शक्ति का विज्ञान - योग कहता है - जब मन एकाकार हो जाते हैं, तो ऊर्जा दस गुना बढ़ जाती है। होम गार्ड सामूहिक रूप से कार्य करते हैं। जीवनशैली - सादगी और तपस्या - योगी और होम गार्ड - दोनों का जीवन सादा, संयमित और अनुशासित होता है।

होम गार्ड - सामाजिक और नैतिक रीढ़ होम गार्ड समाज में सुरक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिकता, शिष्टाचार और अनुशासन की ऊर्जा लाते हैं। आपदा में मानवता का वास्तविक रूप - कई लोग भागते हैं, पर होम गार्ड दौड़ते हैं - पीछे नहीं, आगे, और उस दिशा में जहाँ खतरा हो। समाज का विश्वास - जनता होम गार्ड को अपना संरक्षक मानती है। उनकी उपस्थिति ही आश्वस्ति देती है। युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा - होम गार्ड के प्रशिक्षण से युवाओं में - अनुशासन, संयम, देशभक्ति, स्वास्थ्य-चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी जागृत होती है। चरित्र निर्माण का सूत्र - योग कहता है - सच्चा साधक वही है जो समाज के काम आए। होम गार्ड इसका जीता-जागता उदाहरण है।

आध्यात्मिक दृष्टि - होम गार्ड राष्ट का धर्म-रक्षक धर्म का अर्थ है - कर्तव्य, अनुशासन, न्याय और लोककल्याण। होम गार्ड का हर कार्य इन्हीं चारों स्तंभों को मजबूत करता है। कर्तव्य धर्म - रात-दिन, गर्मी-सर्दी, आंधी-तूफान कहीं भी, कभी भी सेवा में तैयार। लोक धर्म - संकट में लोगों को बचाना, सहायता देना धर्म का श्रेष्ठ रूप है। आत्मधर्म अपने मन को साहस, स्थिरता और धैर्य में स्थापित रखना। राष्ट धर्म - यही सर्वोच्च धर्म है - राष्ट की रक्षा और समाज की सुरक्षा। इसलिए होम गार्ड वर्दी वाले योगी हैं।

होम गार्ड दिवस - प्रेरणा का संदेश 6 दिसंबर हमें प्रेरित करता है - हर नागरिक राष्ट का प्रहरी बन सकता है, देश रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं, सेवा ही सर्वोच्च योग है, अनुशासन ही सुरक्षा का आधार है, एक सजग नागरिक ही राष्ट को महान बनाता है, यह दिवस हम सभी को आह्वान करता है कि - स्वयं को सक्षम बनाओ, समाज को सुरक्षित बनाओ, राष्ट को सशक्त बनाओ।

होम गार्ड और योग-आध्यात्म - एक दिव्य समन्वय योग शरीर तैयार करता है, प्राणायाम मन तैयार करता है, ध्यान अंतःकरण को स्थिर करता है, सेवा योग आत्मा को पवित्र करता है, होम गार्ड इन चारों का पूर्ण समन्वय है इसलिए उनका जीवन कर्म, ध्यान और सेवा का संगम÷ है। राष्ट को उनसे प्रेरणा क्यों लेनी चाहिए? क्योंकि होम गार्ड सिखाता है - कठिनाई में घबराना नहीं, परिस्थिति से भागना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना नहीं, हर समय शारीरिक - मानसिक रूप से सशक्त रहना, समाज और राष्ट के प्रति संवेदनशील रहना, ये मूल्य हर नागरिक के लिए आवश्यक हैं।

6 दिसंबर का वास्तविक संदेश - होम गार्ड रेजि़ंग डे केवल समारोह नहीं, बल्कि एक संदेश है - सेवा ही राष्ट की सर्वोच्च साधना है। जो व्यक्ति शारीरिक रूप से मजबूत हो, मानसिक रूप से स्थिर हो, आध्यात्मिक रूप से जागृत हो - वह ही सच्चा नागरिक है। होम गार्ड भारत की ऐसी ही ऊर्जा का प्रतीक हैं।योग गुरु महेश अग्रवाल का संदेश - राष्ट की रक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और जागृत चेतना से होती है। होम गार्ड दिवस हमें यही संदेश देता है कि हर नागरिक अपने भीतर योग, सेवा और अनुशासन का दीप जलाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

# सच्चे हृदय से वृद्धजनों की सेवा करते हैं तो ईश्वर का आशीर्वाद स्वतः हमें मिल जाता हैः ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी





**गंज बासौदा, दैनिक सांध्य प्रकाश।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा भारत माता कॉन्वेंट स्कूल में गौरवपूर्ण वृद्धअवस्था एवं सम्मानित जीवन अखिल भारतीय अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रिंसिपल सिस्टर सजिता ने सभी ब्रह्मकुमारी बहनों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अभियान का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि हम सभी एक परमात्मा की संतान आपस में भाई-बहन हैं। हमें धर्म, जाति भुलाकर आपस में एकता और भाईचारे के साथ रहना है। अभियान के तहत पूरे भारत में गांव-गांव, शहर- शहर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिनके माध्यम से लोगों को विश्व एकता और आपसी विश्वास का संदेश दिया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण पीढ़ियों के बीच सौहार्द एवं समझ को मजबूत करना समाज में वृद्धजनों के प्रति सम्मान गरिमा एवं संवेदनशील के प्रति जागरूकता बढ़ाना। जब तक हम अपने अंदर के मनोविकारों को दूर नहीं करेंगे, इन पर विजय प्राप्त नहीं करेंगे, तब तक हमारे अंदर एकता और विश्वास नहीं आएगा। हमें पश्चिम की संस्कृति को छोड़कर सनातन संस्कृति को अपनाना है, जिसमें मुख्य रूप से सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना है। साथ ही हमें अपने अंदर तीन बातों को भी धारण करना है सबको सम्मान देना है, सबका सहयोग करना है और सबको स्नेह देना है।उन्होने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की देवभूमि की विशिष्टता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने के लिए नागरिकों के आचरण, सद्गुणों और सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण अनिवार्य है। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपनी भावना रखते हुए कहा कि जब हम अपने मन, बचन, कर्म या तन, मन, धन, से दूसरों को सुख पहुंचाते हैं तो वह कई गुना होकर हमारे ही पास लौटकर आता है,यह शाश्वत नियम है।÷सच्ची शक्ति इस बात में नहीं है कि हमारे पास क्या है, बल्कि इसमें है कि आत्मा अपनी चुनौतियों से ऊपर उठकर कैसे आत्मविश्वास बनाए रखती है। जब हम सच्चे हृदय से वृद्धजनों की सेवा करते हैं, तो ईश्वर की दिव्य आशीर्वाद से शांति और आनंद हमारे जीवन में स्वतः आ जाते हैं।÷ नन्दनी बहन ने मेडिटेशन की परिभाषा देते हुए कहा कि शरीर और शरीर के संबंधों से कुछ देर के लिए अपने को अलग करना ही मेडिटेशन है और यह हमें सुबह शाम 5 मिनट जरूर करना है और बच्चों को भी सिखाना है। अंत में उन्होंने परमात्मा के विषय में कहा कि परमात्मा सत्य ज्ञान देता है, परमात्मा निराकार है और मैं आत्मा शांत स्वरूप हूँ, प्रेम स्वरूप हूं।

# मंत्री प्रहलाद पटेल एवं कैलाश विजयवर्गीय ने छात्राओं के प्रश्नों के दिए जवाब

## नरसिंहपुर की छात्राओं ने विधानसभा के मीडिया सेंटर एवं समिति कक्षों का भी किया भ्रमण





**नरसिंहपुर , सांध्य प्रकाश।** सीएम राइज विद्यालय की छात्राओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहा, जब उन्हें मध्यप्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण करने का अवसर मिला यह भ्रमण पूर्व राज्यमंत्री एवं क्षेत्र के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि जालम सिंह पटेल की विशेष पहल पर संभव हुआ। छात्राओं ने तीन दिन पूर्व उनसे विधानसभा भ्रमण कराने का आग्रह किया था,जिस पर उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए व्यक्तिगत स्तर पर संपूर्ण अनुमति प्रक्रिया पूरी कराई और यात्रा की पूरी व्यवस्था भी स्वयं की विद्यालय के प्राचार्य,शिक्षिकाओं और छात्राओं का दल नरसिंहपुर से बस द्वारा भोपाल पहुँचा,जहाँ सबसे पहले उन्हें विधानसभा भवन की भव्यता और उसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया छात्राओं ने विधानसभा के इतिहास,संचालन और विधायी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों द्वारा उन्हें विभिन्न सदन कक्ष,समिति कक्ष और मीडिया सेंटर भी दिखाए गए भ्रमण के दौरान छात्राओं की मुलाकात कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से हुई। दोनों मंत्रियों ने छात्राओं से आत्मीयता से बातचीत की, उनके सवालों के जवाब दिए और उन्हें शासन तथा प्रशासन के कामकाज से रूबरू करवाया। छात्राओं ने मंत्रियों से शिक्षा,करियर और नेतृत्व जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका सरल और प्रेरणादायक तरीके से समाधान दिया गया विधानसभा भ्रमण के बाद जालम सिंह पटेल ने छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के साथ भोजन भी किया जिससे छात्राओं में विशेष उत्साह और आत्मीयता का सुंदर अहसास हुआ उन्होंने छात्राओं को भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक अवसर प्रदान करने का आश्वासन दिया और कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं,इसलिए उनके विकास के लिए सकारात्मक पहलें करना उनका कर्तव्य है पूरे भ्रमण के दौरान छात्राओं में अत्यंत उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली उन्होंने बताया कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा और उन्हें गर्व है कि वे ऐसे जनप्रतिनिधि के जिले से हैं,जो केवल जनसेवा ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी निरंतर योगदान देते हैं उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस शैक्षणिक यात्रा ने न केवल छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि की,बल्कि उन्हें प्रदेश की संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नज़दीक से समझने का अमूल्य अवसर भी प्रदान किया

## एसआईआर के तहत नरसिंहपुर जिले में 100 प्रतिशत डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण

# जिले के 8 लाख 69 हजार 587 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटाईजेशन







**नरसिंहपुर, सांध्य प्रकाश।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि शुक्रवार 5 दिसम्बर की दोपहर 2 बजे तक जिले की सभी चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। जिले के 8 लाख 69 हजार 587 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन का पूर्ण कर लिया गया है।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 118- गोटेगांव के अंतर्गत 2 लाख 21 हजार 19 मतदाताओं, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 119- नरसिंहपुर के अंतर्गत 2 लाख 36 हजार 932 मतदाताओं, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 120- तेंदूखे?ा के अंतर्गत एक लाख 92 हजार 992 मतदाताओं और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 121- गाडरवारा के अंतर्गत 2 लाख 18 हजार 644 मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र गोटेगांव में 258 बीएलओ, नरसिंहपुर में 262 बीएलओ, तेंदूखे?ा में 226 बीएलओ और गाडरवारा में 231 बीएलओ नियुक्त किए गए थे। बीएलओ की सहायता के लिए नगरीय क्षेत्र में नगर पालिका कार्यालय का स्टाफ, वार्ड प्रभारी, पटवारी ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी, आंगनबा?ी कार्यकर्ता व सहायिका, शिक्षक, ग्राम कोटवार आदि नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन डाटा एंट्री ऑपरेटर्स भी नियुक्त किए गए थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी शासकीय सेवकों और मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि से पूर्व यह उपलब्धि सभी के अथक प्रयासों और कर्तव्य निष्ठा से ही संभव हुआ है। इस हेतु जिले की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 120- तेंदूखे?ा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 100 प्रतिशत कार्य करने पर ईआरओ सहित अन्य अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने एसडीएम व ईआरओ तेंदूखे?ा सुश्री पूजा सोनी, तहसीलदार तेंदूखे?ा निर्मल पटले, नायब तहसीलदार तेंदूखे?ा इमरान मंसूरी आदि कर्मचारियों को शाल- श्रीफल व गुलस्ता देकर सम्मानित भी किया गया।

# रातापानी टाइगर रिज़र्व के जंगल में वनकर्मियों से मारपीट करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

## बगैर परमिशन के रातापानी टाइगर रिजर्व में घूम रहे थे आरोपी

**औबेदुल्लागंज संध्या प्रकाश-** रातापानी डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में गुरुवार को वनकर्मियों पर प्राणघातक हमला करने वाले एक दर्जन आरोपितों में से पाँच लोगों को मंडीदीप पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल हैं। मंडीदीप पुलिस के अनुसार, कजलीखेड़ा निवासी नितिन नायक, आकाश, राकेश नायक और दो महिलाओं ने टूमड़ाखेड़ा बीट के जंगल में आग जलाकर भोजन बनाने और पिकनिक मनाने से रोकने पर वनकर्मियों पर सामूहिक हमला कर दिया था। वनकर्मियों के सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने और एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। सभी पाँचों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया वन मंडल औबेदुल्लागंज में सूचना मिलते ही डीएफओ हेमंत रैकवार ने तत्काल दाहोद के रेंजर कार्तिकेय शुक्ला को दल और पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचाया जब तक पुलिस घटना स्थल पर पहुंचती उसके पहले ही हमलावर वहां से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए रेंजर शुक्ला ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया ।

# शा.क. उमावि गाडरवारा में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं अपराधों का संरक्षण अधिनियम की दी जानकारी





**नरसिंहपुर, सांध्य प्रकाश।** शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में शुक्रवार को बेटी बचाओ- बेटी प?ाओ योजना अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत एवं मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत पॉक्सो एक्ट पर प्रशिक्षण संपन्न हुआ। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शिवकुमार रैकवार ने सभी को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई। बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेन्द्र राजपूत ने पॉक्सो एक्ट तहत पी?ित को मिलने वाली सहायता के बारे में बताया। बाल संरक्षण अधिकारी सौनिध्य सराठे ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय अभियान की जानकारी दी गई। उन्होंने बाल विवाह के लिए निर्धारित आयु एवं कानून के उल्लघन के फलस्वरूप दण्ड के प्रावधानों से अवगत कराया। बालिका की आयु 18 वर्ष और बालक की आयु 21 वर्ष से कम है, तो यह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। उन्होंने पॉक्सो एक्ट के प्रावधान के बारे में भी बताया। अम्रताष दुबे ने बालक, बालिकाओं और महि?लाओं की सहायता के लिए संचालित हेल्प लाइन नम्बर 112, 1098, 1090 और वन स्टॉप सेंटर की जानकारी दी।

# तेज सर्दी में नगर परिषद ने नहीं की अलाव की व्यवस्था, आमजन ठिठुरने को मजबूर

**ओबेदुल्लागंज संध्या प्रकाश।** क्षेत्र में पिछले दो दिनों से अचानक ब?ी ठंड ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, लेकिन इसके बावजूद नगर परिषद की ओर से अभी तक किसी भी सार्वजनिक स्थान पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे राहगीरों, मजदूरों, रिक्शा चालकों और रात्रि में बाहर रहने वाले लोगों को कड़ाके की सर्दी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।



स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष ठंड बढ़ते ही नगर परिषद द्वारा मुख्य चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की जाती थी, लेकिन इस बार अब तक कोई व्यवस्था न होने से लोगों में नाराज़गी है। बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड, मुख्य चौक, अस्पताल क्षेत्र और वार्डों में ऐसे कई स्थान हैं जहाँ रात्रि के समय गरीब और बेघर लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते हैं, परंतु इस बार अलाव न होने से हालात और खराब हो गए हैं।निवासियों का कहना है कि नगर परिषद को मौसम विभाग की चेतावनी के बाद ही तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए थीं।लोगों ने प्रशासन से तत्काल अलाव जलाने, लकड़ी उपलब्ध कराने और प्रमुख स्थानों पर सर्दी से बचाव की सुविधाएँ उपलब्ध कराने की मांग की है।नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों से बार-बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका ।

## मृदा से मुर्दा तक - जीवन का अद्भुत चक्र

# मानव जीवन मिट्टी से जन्म लेता है और मिट्टी में ही लौट जाता है, परंतु इस यात्रा का रहस्य जीवन को समझने की कुंजी है



महेश अग्रवाल

मृदा और मुर्दा - दो शब्द, एक ही अस्तित्व का चक्र मृदा और मुर्दा - ये दोनों शब्द सुनने में भले ही भिन्न प्रतीत हों, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह दोनों एक ही चक्र के दो छोर हैं। एक वह है जो जीवन को जन्म देता है - मृदा, और दूसरी वह अवस्था है जब जीवन का अंतिम रूप पृथ्वी में ही समा जाता है - मुर्दा। योग, धर्म, अध्यात्म और प्राकृतिक दर्शन इन दोनों को कभी अलग नहीं मानते। यह सृष्टि का ऐसा अनंत नियम है जिसे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व जान लिया था - यत् पृथिव्यां तन्मनुष्ये, यत् मनुष्ये तन्मृदा। अर्थात् पृथ्वी में जो तत्व हैं वही मनुष्य के भीतर हैं, और मनुष्य जो कुछ है वह अंततः पृथ्वी का ही अंश है। यह लेख इसी गहरे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक और प्राकृतिक संबंध को विस्तार से समझाने का प्रयास है।

मृदा क्या है? - पृथ्वी का दिव्य रूप भारतीय दर्शन में मृदा केवल मिट्टी भर नहीं है; यह जीवन का आधार, अन्न का स्रोत, विकास का मूल, और पृथ्वी-माता का सौम्य स्पर्श है। पंचमहाभूतों में पृथ्वी का सर्वोच्च स्थान - पंचतत्त्व - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश में सबसे स्थायी और स्थूल तत्व पृथ्वी है। मृदा वही पृथ्वी - तत्त्व का प्रत्यक्ष रूप है। हमारे शरीर का घनत्व, स्थिरता, अस्थि - मांस - त्वचा सब पृथ्वी तत्व के कारण हैं। योग में इसे मूलाधार चक्र का आधार माना गया है। मूलाधार का अर्थ ही है - पृथ्वी, जड़, स्थिरता, सुरक्षा, धैर्य, संयम। कृषि, अन्न, औषधि और जीवन की जनन - हमारा भोजन - चाहे अनाज हो, सब्जी, फल, औषधि - सभी मृदा की कृपा से उत्पन्न होते हैं। ऋग्वेद में मृदा को विश्वं धायति कहा गया है - जो संपूर्ण जगत को धारण करती है। आज विज्ञान इसे खनिज युक्त मिट्टी कहता है, परंतु भारतीय परंपरा इसे अन्नपूर्णा का आंचल मानती है। धर्म में मृदा की पवित्रता - हिंदू धर्म में मृदा को अत्यंत पवित्र माना गया है - सभी मूर्तियों की प्रथम रचना मिट्टी से, दीयों में मिट्टी, स्नान से पहले अंग में मिट्टी का लेप, उपवास, व्रत और पूजा में मिट्टी का महत्त्व, पितृ कर्म में भी मिट्टी की उपस्थिति यह सब संकेत है कि मृदा देवत्व का आधार-तत्त्व है।

मुर्दा क्या है? - शरीर का प्राकृतिक रूप में लौटना मनुष्य जिसे मुर्दा कहता है, वह दरअसल शरीर के पृथ्वी में वापस लौटने की प्रक्रिया है। आत्मा अमर है, पर शरीर पंचमहाभूतों से बना है - जब आत्मा अपना कार्य पूर्ण कर लेती है, तब शरीर पृथ्वी में विलीन हो जाता है। मृत्यु - जीवन का पूर्णविराम नहीं, संक्रमण है। गीता में भगवान कहते हैं - न हन्यते हन्यमाने शरीरे अर्थात् शरीर नष्ट होता है, पर आत्मा नहीं। मुर्दा वह अवस्था नहीं जिसमें भय है; यह प्रकृति की गोद में लौटने का समय है। मृदा और मौलिक तत्त्वों में विलय - जल तत्व शरीर को शुद्ध करता है, वायु तत्व अंतिम सांस लेकर मुक्त हो जाता है, अग्नि तत्व शरीर को तेज से पृथक करता है, आकाश शरीर को अपने अनंत में समाहित करता है, और अंत में - पृथ्वी तत्व शरीर को अपने भीतर स्वीकार कर लेती है। यही मृदा और मुर्दा का सबसे गहरा दार्शनिक संबंध है। मृत शरीर पर मिट्टी चढ़ाने की परंपरा - भारतीय संस्कारों में अंतिम यात्रा के समय मिट्टी चढ़ाना दो भाव प्रकट करता है - शरीर अपनी जननी - मृदा - में वापस जा रहा है। पृथ्वी तत्व के साथ अंतिम एकात्मता।

भाषाई समानता - मृदा और मुर्दा का मूल दोनों शब्द संस्कृत/प्राकृत मूल से आए हैं - मृदा - मृद् धातु। मुर्दा - मृत या मृतक। दोनों शब्दों का संबंध परिवर्तन, रूपांतरण, प्रकृति और जीवन चक्र से है।

जीवन और मृत्यु - एक ही यात्रा के दो पड़ाव मृदा सिर्फ जन्म का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन की हर अवस्था में मौजूद रहती है। बच्चे के जन्म पर जमीन पर लीपा - पुता स्थान। अन्न का उत्पादन, घर, मंदिर, धाम मिट्टी से बने। बीमारियों में मिट्टी के लेप, मृत्यु के बाद शरीर से लेकर समाधि तक मिट्टी यानी मनुष्य मृदा से उठता है और मृदा में ही विश्राम लेता है। योग दृष्टि से जन्म - ऊर्जा का ऊर्ध्वगमन। मृत्यु - ऊर्जा का संपूर्ण विस्तार। दोनों ही अवस्थाओं में मृदा तत्व की स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

मृदा और मुर्दा - जीव - जगत का महान चक्र प्रकृति एक अद्भुत चक्र चलाती है - वृक्ष मिट्टी से जन्म लेते हैं।पशु-पक्षी वृक्ष-वनस्पति से जीवन पाते हैं मनुष्य प्रकृति का अंश है मृत्यु के बाद शरीर मिट्टी बनकर पुनः वृक्षों का पोषण करता है और वृक्ष फिर मनुष्य को जीवन प्रदान करते हैं। इसे ही प्रकृति का %निक्षेपण-पुनर्जन्म चक्र कहा गया है, जिसे भारतीय दर्शन ने वर्षों पहले बताया - सर्वं खल्विदं ब्रह्म - सबकुछ ब्रह्म का ही रूप है, ब्रह्म ही मृदा है, ब्रह्म ही मानव का आधार।

आध्यात्मिक दृष्टि - मृदा - स्थिरता, मुर्दा - समर्पण यहाँ एक अत्यंत सुंदर दार्शनिक भाव प्रकट होता है - मृदा %स्थिरता% का प्रतीक है - जीवन को संबल देने वाली। मुर्दा समर्पण का प्रतीक है - जीवन को वापस सौंप देने वाली। जीवन की शुरुआत में हमें स्थिरता चाहिए,। जीवन के अंत में हमें समर्पण की आवश्यकता होती है। इन दोनों को जोड़कर ही मनुष्य पूर्णता प्राप्त करता है।

धर्मग्रंथों में मृदा और मुर्दा का उल्लेख वेद / ऋग्वेद कहता है - माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। मैं पृथ्वी का पुत्र हूँ, पृथ्वी मेरी माता है। उपनिषद - तैत्तिरीय उपनिषद में कहा गया है - अन्नं पृथिवी। अन्न ही पृथ्वी है, और पृथ्वी ही अन्न है। गीता - श्रीकृष्ण कहते हैं - क्षेत्रम् - शरीर खेत की तरह है क्षेत्रज्ञ - आत्मा उसका जानने वाला। यहाँ शरीर (मुर्दा) और मृदा (पृथ्वी) का रूपक स्पष्ट है। पुराण - पुराणों में मृत शरीर को पंचतत्त्वों के हवाले करने की परंपराएँ - अग्नि, दफन, जल में विसर्जन - सब मृदा - तत्त्व के साथ संबंध दर्शाती हैं।

योग में पृथ्वी तत्त्व का महत्त्व योगिक विज्ञान में पृथ्वी-तत्त्व जीवन को स्थिरता, आधार, संबल प्रदान करता है। कुछ मुख्य बिंदु - मूलाधार चक्र - इसका संबंध सीधे-सीधे मृदा से है। जब यह चक्र संतुलित होता है, तब व्यक्ति - स्थिर, शांत, निडर, धैर्यवान, निर्णय - क्षमता युक्त होता है। मृत्यु के समय यही चक्र शरीर को पृथ्वी में समाहित कर देता है। मिट्टी के आसन, कुम्भक, और प्राकृतिक चिकित्सा - मिट्टी का लेप (मिट्टी चिकित्सा) शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालता है। योग में इसे शोधन क्रिया में शामिल किया गया है।यह सभी कार्य एक ही मूल दर्शन से आते हैं - शरीर पृथ्वी का अंश है।

मृत्यु एक अंत नहीं, विश्राम हैः भारतीय संस्कृति में मृत्यु को निद्रा कहा गया है। शरीर सो जाता है, आत्मा अपनी यात्रा जारी रखती है। मृदा उस शरीर को गोद में लेकर कहती है - आओ, जैसे तुमसे लिया था, वैसे ही तुम्हें वापस ले लेती हूँ। वैज्ञानिक दृष्टि से संबंध विज्ञान कहता है - मानव शरीर में पाए जाने वाले 25 प्रमुख खनिज तत्व, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम - सभी मिट्टी में मौजूद हैं। मृत्यु के बाद शरीर इन्हीं तत्वों में टूटकर वापस मिट्टी में विलीन हो जाता है। यह पूर्ण वैज्ञानिक सिद्धांत है जिसे भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पूर्व समझ लिया था।

जीवन-व्यवहार में इस दर्शन का उपयोग यदि मनुष्य मृदा और मुर्दा के इस रहस्य को समझ ले, तो - अहंकार मिट जाएगा, जीवन में सरलता आएगी, परस्पर सहयोग की भावना बढ़ेगी, पर्यावरण संरक्षण ईश्वर की सेवा लगेगा, मृत्यु का भय समाप्त हो जाएगा क्योंकि जिसे जान लेना पृथ्वी में से उठना और पृथ्वी में जाना है, उसे जीवन का हर क्षण अनमोल लगता है। मृदा और मुर्दा - एक ही सत्य के दो रूप संसार का संपूर्ण भाव इसी में निहित है - जो मिट्टी से आया है, वह मिट्टी में जाएगा। परंतु इस यात्रा के बीच का अनुभव - यही जीवन कहलाता है। मृदा हमें जीवन देती है, हम मृदा पर चलते-फिरते, खाते-पीते, रहते हैं, और अंत में मृदा हमें अपनी गोद में शांति देती है।

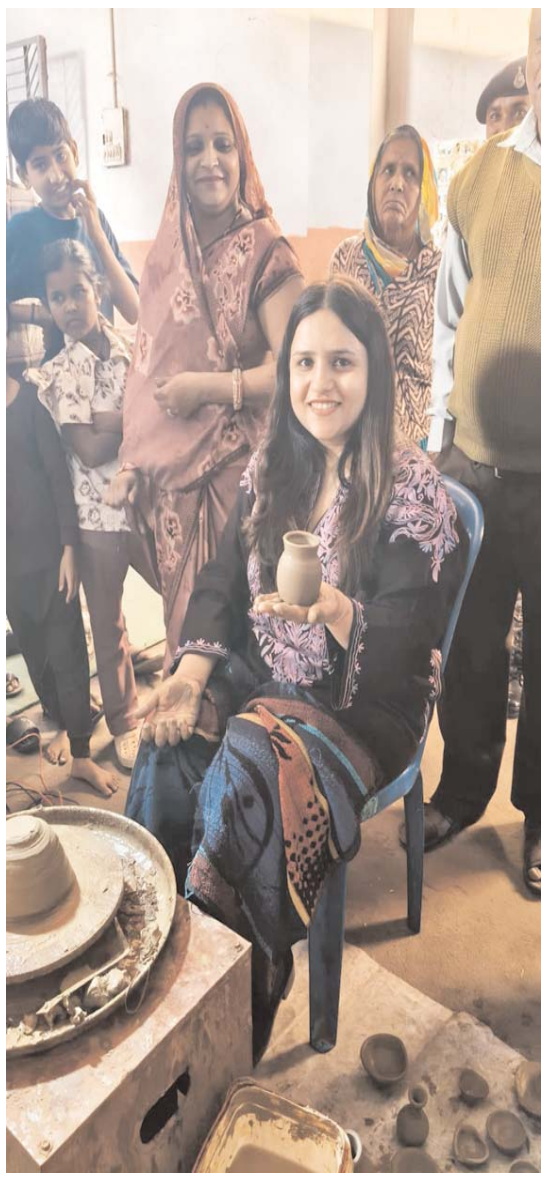

मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड भोपाल द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम योजनांतर्गत माटी कला उद्यमियों के लिए टेराकोटा मूर्तिकार प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

## भोपाल की मेधावी छात्रा ने बनाया अभिनव मॉडल

# बुजुर्ग ,गर्भवती महिलाओं, बच्चों की यात्रा भी अब होगी आसान, सुरक्षित और खुशनुमा

**भोपाल। सांध्यप्रकाश।** ट्रेन या बस में बैठने के लिए सीट उपलब्ध हो या ना हो टिकट तो धड़ले से बेची जाती है और इस कारण जब बुजुर्ग ,गर्भवती महिलाएं, बच्चे किसी यात्रा के लिए निकलते हैं और जब ट्रेन, बस में कभी कभी सीट नहीं मिलती ! ऐसी दशा मे यात्रा में बुजुर्ग ,गर्भवती महिलाएं, बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, ऐसी दशा में यात्रा के समय यदि साथ मे सामान हो तो सामान की सुरक्षा की चिंता अलग से करनी होती है !अपने आसपास–बाजार, शॉपिंग मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर–लोगों को सामना करनी पड़ने वाली कई व्यावहारिक समस्याओं को महसूस किया। इस बहुल आबादी वाले भारत देश में इन कठिन समस्याओं का निराकरण भारत का हृदय कहे जाने वाले मध्यप्रदेश के भोपाल स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आनंद नगर की प्रतिभाशाली छात्रा प्राक्षी विश्वकर्मा एवम मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती शिखा विश्नोई के साथ एक ऐसा बैग तैयार किया, जो बैग भी है और स्टूल भी। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने इस नवाचार को उत्कृष्ट बताते हुए छात्रा प्राक्षी विश्वकर्मा तथा उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती शिखा विश्नोई को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह अभिनव प्रयास न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रमाण है बल्कि समाज के वास्तविक जीवन से जुड़े समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करता है।

छात्रा प्राक्षी विश्वकर्मा तथा उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती शिखा विश्नोई ने बताया कि उनका मॉडल एक बैग + स्टूल का अनोखा मेल यह ट्रॉली बैग की तरह सामान ढोने में सक्षम है।आवश्यकता पड़ने पर इसे स्टूल में बदलकर बैठा जा सकता है। बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, वृद्धजन तथा यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी। बस, ट्रेन या स्टेशन पर सीट न मिलने पर यह तुरंत स्टूल बन जाता है !बच्चों के साथ खरीदारी के दौरान भी उपयोगी–जहाँ बच्चे गोद में बैठना चाहें, वहाँ यह सुरक्षित विकल्प बन जाता है।घर में भी उपयोगी है यह बेग किचन का सामान लाने-ले जाने में,बच्चों के अध्ययन के दौरान,चक्का लगे होने से बार-बार उठाने की जरूरत नहीं,अपनी ऊँचाई के अनुसार समायोजित होने वाला हैंडल के साथ उपलब्ध है! बेग मे रखा सामान गुम न हो इसके लिए जी पी एस ट्रैकर,सेंसर आधारित मोबाइल नियंत्रण प्रणाली, इलेक्ट्रिकल लॉक,पूरी तरह फोल्डेबल, कम स्थान में रखने योग्य , सस्ती और सभी के लिए उपलब्ध है! सुशील कुमार जैन ने बताया कि आज जहाँ महंगे ट्रॉली बैग आम लोगों की पहुँच से बाहर हो जाते हैं, वहीं प्राक्षी का यह अभिनव बैग एक किफायती विकल्प प्रस्तुत करता है। यह सोच वास्तव में समाज के कठिनाइयों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य है– 'लोगों की परेशानी कम करना और उनके काम को आसान बनाना। '

# टॉप यूनी नेटवर्क कंपनी ने एमबीए कनेक्ट इवेंट का किया आयोजन, अनेक युवाओं ने ली जानकारी

कोलकाता की टॉप यूनी नेटवर्क कंपनी ने कोर्टयार्ड बाय मैरियट भोपाल में एमबीए कनेक्ट इवेंट का शानदार आयोजन किया जिसमें 15 से ज़्यादा इंडियन बी-स्कूल और यूनिवर्सिटीज़ ने हिस्सा लिया। इन दिनों एमबीए कनेक्ट भारत के 16 शहरों में हो रहा है। कुछ टॉप संस्थानों के नाम हैं आई एम आई दिल्ली, ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी दिल्ली एन सी आर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट इंदौर, बेनेट यूनिवर्सिटी दिल्ली एन सी आर,, एस आर एम यूनिवर्सिटी दिल्ली एन सी आर, आई एफ आई एम बैंगलोर, पारुल यूनिवर्सिटी वडोदरा, एमिटी यूनिवर्सिटी, बी एस एस एस इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज आदि। भोपाल में हुए एम बी ए कनेक्ट कार्यक्रम में शहर के अनेक युवा पहुंचे और और उन्होंने एडमिशन प्रक्रिया तथा कॉलेज के संबंध में विस्तार से जानकारी हासिल की। फाउंडर और सीईओ टॉप यूनी नेटवर्क, लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया की भोपाल के विद्यार्थियों में जागरूकता एवं दूरदर्शिता है जो उनकी बुद्धिमत्ता को दर्शाती है।

## कल से गूंजेगी सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा और श्रीमद् भागवत कथा

**संत हिरदाराम नगर।** संत हिरदाराम नगर के समीप कैलाश नगर स्थित साई बाबा भक्त मंडल द्वारा सप्त दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा आयोजन किया जा रहा है 7 दिसंबर सोमवार से 14 दिसंबर रविवार तक कथावाचक डॉ अभिषेक कृष्ण शास्त्री श्री वृंदावन धाम श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का रसपान करेंगे। यहां 7 तारीख को भव्य कलश यात्रा दोपहर 1 बजे निकल जाएगी जो मथाई नगर, पूजाश्री कॉलोनी, सीटीओ मुख्य मार्ग से होते हुए कथा स्थल पर पहुंचेगी। जगह-जगह पर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। श्री राम कथा का आयोजन कैलाश नगर स्थित साई बाबा मंदिर परिसर में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। यहां रोजाना श्री राम के जीवन पर अलग-अलग प्रसंग पर कथा सुनाई जाएगी 14 दिसंबर रविवार को कथा का समापन किया जाएगा इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

# अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर लाचुंगपा भारत-चीन सीमा सिक्किम से गिरफ्तार

## स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की ऐतिहासिक कार्रवाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में वन एवं वन्यजीव के संरक्षण के लिये लगातार समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। इस दिशा में कार्यवाही करते हुए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली ने 10 साल से वांछित, अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर यांगचेन लाचुंगपा को2 दिसम्बर 2025 को भारत-चीन की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास लाचंग, मंगन, जिला उत्तर सिक्किम (सिक्किम) में कई महीनों की कड़ी मेहनत के उपरांत सफलतापूर्वक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में बाघ एवं पेंगोलिन के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों व पेंगोलिन के स्केल की नेपाल के रास्ते चीन में अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के विरुद्ध जुलाई 2015 में प्रकरण दर्ज किया गया था, जिसमें यांगचेन लाचुंगपा वांछित थी। प्रकरण की गंभीरता देखते हुए वन मुख्यालय ने इसे मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स को विवेचना के लिये सौंपा गया था। एसटीएसएफ ने एक संगठित एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश कर 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यांगचेन लाचुंगपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। यांगचेन लाचुंगपा के गिरोह के कई देशों में फैले नेटवर्क को देखते हुए भारत सरकार के अनुरोध पर इंटरपोल के द्वारा यांगचेन लाचुंगपा विरुद्ध रेड नोटिस भी जारी किया गया है, जिससे उसे किसी भी देश में सबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया जा सके। यांगचेन लाचुंगपा मूल रूप से चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत की निवासी है एवं भारत में मुख्यतः दिल्ली एवं सिक्किम में रहती थी। यांगचेन को पहली बार सितम्बर 2017 में भी हिरासत में लेकर ट्रांजिट रिमांड के लिये पेश किया गया था, लेकिन न्यायालय से अंतरिम जमानत मिलने के बाद फरार हो गई थी।उसकी अग्रिम जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने भी वर्ष 2019 में खारिज कर दिया था।

अपराधी यांगचेन लाचुंगपा गिरफ्तारी से बचने लगातार एजेंसियों को चकमा दे रही थी, अंत में 2 दिसम्बर 2025 को उसे मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स एवं केंद्र सरकार की वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली की संयुक्त टीम ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कम तापमान के क्षेत्र में जाकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर लाचुंग, मंगन (सिक्किम) से गिरफ्तार कर न्यायलय गंगटोक के समक्ष पेश कर मध्यप्रदेश शासन का ठोस पक्ष रखने के बाद ट्रांजिट वारंट 3 दिसम्बर 2025 को रात्रि में प्राप्त कर उसे मध्यप्रदेश लाया जा रहा है। इस कार्यवाही में सिक्किम पुलिस का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

# कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया, सुरक्षा व सड़क सुधार के दिए निर्देश

**सीहोर।** कलेक्टर बालागुरू के. ने धाबीखेड़ी स्थित लायन इंडिया फेब्रिक, फ्लोर मिल और नमकीन फैक्ट्री का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा मानकों, स्वच्छता, मशीनों के सुरक्षित संचालन और श्रमिक सुविधाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि श्रमिक सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और मशीनों की नियमित मेंटेनेंस तथा सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है। मंडी औद्योगिक क्षेत्र की खराब सड़क को लेकर उन्होंने उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अनुराग वर्मा को जल्द सड़क निर्माण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं उद्योग संचालक उपस्थित रहे।

## पर्यावरण मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुरूप फ्लाई एश का शत-प्रतिशत उपयोग करने में मिली मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी को बड़ी सफलता

**भोपाल।** मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुरूप उत्सर्जित फ्लाई एश के 100 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह खंडवा में विश्व की अग्रणी सीमेंट कंपनी हाइडेलबर्ग के साथ गत दिवस भूमि उपयोग अनुमति अनुबंध हस्ताक्षरित किया। अनुबंध 25 वर्ष की अवधि के लिए भूमि उपयोग अनुमति के लिए किया गया है। अनुबंध के अंतर्गत हाइडेलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना परिसर में एक सीमेंट क्लिंकर ग्राइडिंग यूनिट की स्थापना करेगी। इस यूनिट की लागत 325 करोड़ रूपए है। यह यूनिट श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना से निकलने वाली फ्लाई एश का उपयोग करके सीमेंट बनाने का काम करेगी। इस यूनिट के स्थापित होने पर क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और मध्यप्रदेश के अधोसंरचना क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। मध्यप्रदेश पावर जनेरटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह, डायरेक्टरद्वय सुबोध निगम व मिलिन्द भान्दक्कर, मुख्य अभियंता संचारण-संधारणःउत्पादन अभिषेक जैन के मागदर्शन में यह अनुबंध सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता जेसी जुनवाल की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुआ।

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर घर-घर किया जा रहा जनसंपर्क

**संत हिरदाराम नगर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर घर-घर संपर्क योजना के अंतर्गत शुक्रवार को गोकुलधाम के निवासियों से संपर्क किया गया। इस संपर्क में एक करपत्र जिसमें संघ की स्थापना, व्यक्ति निर्माण की कार्य पद्धति, संघ कार्य का विस्तार, सेवा कार्य एवं विशेष रूप से पंच परिवर्तन की जो अवधारणा संघ ने समाज के समक्ष रखी है इन सभी विषयों की करपत्रक पेंफलेट में जानकारी है साथ में तीन पुस्तकों के माध्यम से संघ की अधिक जानकारी सभी को हो जिसे संपर्क टोली द्वारा दिया जा रहा है। संपर्क टोली ने बताया कि संपर्क योजना के अंतर्गत संघ के बहुत ही पुराने स्वयंसेवक गुरमुख दास खानचंदानी जिन्होंने 1957 में संघ शिक्षा वर्ग जयपुर में किया था, संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी के बौद्धिक उन्होंने सुने थे। सुदर्शन के साथ भी उनके बहुत संस्मरण थे। 84 वर्ष की उम्र में भी उनको संघ के गीत कंठस्थ याद हैं। गत दिवस संत तुलसीदास कल्तारी से भी संपर्क किया गया जो संघ के विचार अपने अनुयायियों तक पहुंचायेंगे। संपर्क टोली में कमल प्रेमचन्दानी, बसंत चेलानी, हरीश टहलरामानी, नरेश वासवानी, कन्हैया बिजलानी, राजू थावानी और रवि सतानी थे। बसंत चेलानी ने बताया कि संपर्क योजना 7 दिसंबर तक रहेगी। शताब्दी वर्ष में वर्षभर अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 20 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच 10 हजार की बस्ती में हिंदू सम्मेलन पूरे देश में आयोजित किये जायेंगे। विद्यार्थियों से भी संवाद किए जाएंगे और उनको संघ के की संपूर्ण जानकारी देते हुए संघ से जोड़ने का आहवान किया जाएगा।

# अंतराष्ट्रीय मृदा दिवस का हुआ आयोजन, स्वस्थ शहर के लिये स्वस्थ मिट्टी जरूरी

**महेश कुमार**

**सीहोर।** शुक्रवार को आर्तराष्ट्रीय मृदा दिवस का आयोजन राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्याल ग्वालियर (म.प्र) के अंतर्गत आरएके कृषि महाविद्यालय सीहोर में किया गया। इस वर्ष विश्व मृदा दिवस पर प्रसंग स्वस्थ शहर के लिये स्वस्थ मिट्टी था। कार्यक्रम में सीहोर जिले के सी.एम.एच.ओ. डॉ. सुधीर कुमार बेहरिया मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. यासीन चेयरमेन के रूप में तथा मुदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.सी गुप्ता संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। कृषक प्रतिनिधि के रूप में प्रगतिशील कृषक प्रहलाद सिंह भगत उपस्थित थे।

कार्यकम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर स्वस्थ शहर के लिये स्वस्थ मिट्टी विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान डॉ. एस. पी.दत्ता पूर्व निर्देशक भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल द्वारा दिया गया। उन्होंने भूमि को स्वस्थ रखने के लिये संतुलित पोषक तत्व उपयोग एवं कार्बन संचरण पर जोर दिया तथा मृदा-पौध-वातावरण-मानव के आपसी संबंधों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिचयात्मा उद्धोधन डॉ. एस.सी. गुप्ता द्वारा दिया गया जिसमे उन्होंने मृदा दिवस मनाने के उददेश्य, मिट्टी के स्वास्थय एवं गुणवकता को अलग बनाये रखने के लिये जनमानस में जागरूकता लाने के लिये सभी का आवाहन किया जिससे खेती टिकाउ बनी रहें और उच्च गुणवत्ता कर मौजन प्राप्त होता रहे जो की स्वस्थ रहने के लिये सभी जीयों के लिये आवश्यक है। प्रगतिशील कृषक श्री प्रहलाद सिंह जी ने मृदा को स्वस्थ रखने के लिये जैविक खेती तथा संतुलित रसायनों के प्रपयोग पर अपने अनुभव साझा किये।

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. यासीन ने मृदा स्वास्थ के महत्व पर जोर डाला तथा अपने उदबोधन में बताया कि किस प्रकार मृदा स्वस्थ एवं उर्वर होने पर पैदा होने जाते अनाज की अच्छी गुणवत्ता के लिये उपयोगी होती है। उन्होने पादप प्रजनन के द्वारा किस प्रकार उच्च गुणवत्ता वाली दाले एवं अन्य अनाज पैदा किये जाते है। उस पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। मुख्य अतिथि सीएमएचओ सीहोर डॉ.डेहरिया जी ने मानव स्वास्थ्य को बीमारियों से बचाने हेतु मिट्टी स्वस्थ रखने एवे रसायनों के उचित उपयोग की सलाह दी।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय परिसर से एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गयी जिसमें बहुत बडी संख्या में छात्र/छात्राओं, कृषकों वैज्ञानिकों एवं कर्मचारीयों ने बढ़ चढक़र सहभागिता निभाई। साथ ही इस अवसर पर एक बहुत सुन्दर एवं संदेशात्मक नाटिका की प्रस्तुति महाविद्यालय की छात्र/छात्राओं के समूह द्वारा दी गई जिसकी बहुत सराहा गया नाटिका में शहरों में किस तरह से मिट्टी को स्वस्थ रख सकें इससे संबंधित महत्वपूर्ण संदेश दिये गये जिसमे प्लास्टिक का उपयोग को रोका जाए इसका भी संदेश दिया गया मिटट्टी को प्रदुषण से बचाने हेतु गीला एवं सूखा कचरा भिन्न भिन्न एकत्रित कर उसका रिसाईकलिंग के माध्यम से शहर एवं मिट्टी की स्वक्षता को बनाएं रखने के लिये जोर दिया। शहरीकरण के कारण मिट्टी में सिलिंग भी ही रहा है जिसके कारण भूमि में वर्षा जल प्रवेश में कमी व भूजल स्तर में आ रही कमी के बारे में जन मानस को जागरूक किया गया।

महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा रांगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया गया तथा इस अवसर पर उन्हे पुरुस्कृत भी किया गया इस प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमति सरिता माडेकर एवं डॉ. अराधना ठाकुर एवं मूल्यांकन डॉ. दत्ता, डी. गाठिये द्वारा किया गया। इसी तारतम्य में स्थानीय ब्राइट कॅरियर स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच महाविद्यालय के फैकल्टी मेम्बर्स डॉ. आशुतोष मिश्रा एवं मृदा विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्र/छात्रओं द्वारा मृदा स्वास्थ जागरूकता संबंधित संदेश दिया गया जिसमे स्कूल प्राचार्या निधि गुप्ता एवं बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएँ उपस्थित थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय परीसर में एच. डी. एफ.सी. बैंक एवं जिला चिकित्सालय सीहोर के माध्यम से एक रक्त दान शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय के स्टॉफ द्वारा बढ़ी संख्या में स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस कार्यक्रम की आकाश राठौर, रवि सौलंकी नवीन सूर्यवंशी एवं महाविद्यालय के डॉ. बी. आर. बरैया, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ भरतलाल, डॉ. प्रशांत मराठा द्वारा संपादित किया गया।

कार्यक्रम में मंच व्यवस्था डॉ. डी. के. पायासी एवं संचालन डॉ. ए.एन. भानू तथा आभार प्रदर्शन डॉ. आशुतोष मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यकम के आयोजन में महाविद्यालय के प्रमुख रूप से डॉ. डी. आर. सक्सेना, डॉ. जी. एस. गाठिये, डॉ. लेखाराम, डॉ अशोक सक्सेना डॉ. निलेश रायपुरिया, डॉ एम.के. पाटीदार डॉ. राहुल यादव, डॉ. वर्षा धुर्वे, डॉ. अश्विनी, डॉ. आर.एस.दांगी, डॉ. लालू प्रसाद, महेन्द्र जोशी, सत्येन्द्र देवड़ा, निरजन पटेल, विजय कुमार रजक, पवन कुमार मरावी, रवि रगारे, आयुष टोरिया, भूवन हेडाऊ, श्रीमति फिल्दा बैक, शैलेन्द्र डोडिया, अनिल विश्वकर्मा, अनिल परमार, राहुल कुशवाह, प्रमोद मीणा, अरविंद, बाबू खां एवं महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएँ आदि द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विशेष योगदान रहा।

# ग्राहक पंचायत का जागरण पखवाड़ा संगोष्ठी के माध्यम से हुआ प्रारंभ



**गंजबासौदा ,दैनिक सांध्य प्रकाश ।** अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का ग्राहक जागरण पखवाड़ा 5 दिसंबर से प्रारंभ हो गया जो कि 20 दिसंबर तक चलेगा। पखवाड़ा के प्रारंभ में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन पंचायत के जिला अध्यक्ष राजीव रघुवंशी के मार्गदर्शन में की गई जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख प्रदीप जैन उपस्थित थे जिन्होंने उपस्थित जन को ग्राहक जागरूकता विषय पर संबोधित किया। संगोष्ठी का प्रारंभ माता सरस्वती व विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि विधान से पूजन अर्चन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत रोली चावल से करने के उपरांत गीत दोहराया गया संगठन की रूप रेखा व पंचायत की कार्य पद्धति विदिशा जिले के सचिव कुलदीप श्रीवास्तव के द्वारा रखी गई। संगोष्ठी को भावना राठौर महिला आयाम प्रमुख व आयुषी सैंगर महिला सह आयाम प्रमुख ने भी संबोधित किया।भव्य संगोष्ठी का संचालन प्रदीप मालवीय ने किया व संगोष्ठी का समापन के अवसर पर ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष राजीव रघुवंशी ने आभार व्यक्त किया।संगोष्ठी में बताया कि ग्राहक पखवाड़ा 5 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा जिसमें अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राहकों के जागरण के संबंध में अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे सभी से पंचायत से जुड़ने व सहयोग करने की अपील की है।

# भोपाल संभाग के सभी जिलों में 15 दिवस में सभी वाहनों का पीयूसी सर्टिफिकेशन करवाएं : संभागायुक्त ने दिए निर्देश

## संभागायुक्त श्री सिंह ने भोपाल शहर वायु गुणवत्ता सुधार के लिए समीक्षा बैठक ली

**भोपाल, सांध्य प्रकाश।** संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में शहर वायु गुणवत्ता सुधार के लिए आयोजित बैठक में ट्रैफिक पुलिस, आरटीओ, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा भोपाल शहर में वायु प्रदूषण रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने आरटीओ एवं ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिए कि बिना पीयूसी वाले वाहनों को 15 दिवस का समय निर्धारित किया गया है।

सभी वाहनों का 15 दिवस के अंदर पीयूसी प्रमाण पत्र बनवाएं, 15 दिवस के बाद ट्रैफिक पुलिस वृहद अभियान चलाकर चलानी कार्यवाही करें। शहर के सभी भारी वाहन, स्कूल बस, मध्यम लोडिंग वाहन एवं कार चालक अनिवार्य रूप से दो सप्ताह में पीयूसी सर्टिफाईड कराएं।

संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग के सभी जिलों के आरटीओ एवं ट्रैफिक पुलिस भोपाल को निर्देशित किया कि परिवहन पोर्टल के माध्यम से सभी वाहन



मालिकों को पीयूसी सर्टिफिकेट बनवाने के लिए सूचना दी जाए। उन्होंने कहा कि मॉडरेड श्रेणी के हॉट स्पॉट की मॉनीटरिंग के लिए विस्तृत रणनीति तैयार कर कारण एवं निवाकरण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए। त्रैमासिक स्तर पर निरंतर तुलनात्मक गणना की जाए। उन्होंने मध्यप्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी को पीयूसी मशीनों के केलिब्रेशन मॉनीटरिंग को ऑनलाइन कर व्यापक स्तर पर जांच करें।

बैठक में उपायुक्त राजस्व श्रीमती किरण गुप्ता, संभाग के सभी जिलों के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, ट्रैफिक पुलिस पीयूसी सर्टिफिकेशन करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से आमजन को मिल रहा लाभ

**चौरई, सांध्य प्रकाश ।** 100 दिन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर का विस क्षेत्र चौरई के ग्रामीण मंडल अंतर्गत ग्राम साजपानी के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे ने सहभागिता कर शिविर का शुभारंभ किया ।

मान दुबे जी ने जिला उपाध्यक्ष बंटी पटेल, जिलापं सदस्य लखन वर्मा, जनपद अध्यक्ष सरोज राधेश्याम रघुवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष विजेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष नीरज पटेल के साथ दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया । श्री दुबे ने कहा कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है और स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करना सच्ची जनसेवा है सांसद जी द्वारा शिविर के आयोजन से पीएम मोदी जी के संकल्प को आत्मसात करते हुए शिविर के माध्यम से जरूरतमन्द लोगों को स्वास्थ्य हेतु सीधा लाभ दिया जा रहा है। अतिथियों का सरपंच रवि तिरगाम, मंडल अध्यक्ष विजेंद्र ठाकुर, नीरज पटेल, महामंत्री द्वय जितेंद्र पटेल, अनिल उईके, राजेंद्र संदराम ने आत्मीय स्वागत किया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ लिया। डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाएं प्रदान की । कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता मंझलो पटेल, रामनरेश रघुवंशी, भैयालाल पाल, सरपंच दीनदयाल धुर्वे, लालसिंह रघुवंशी, इंद्रपाल रघुवंशी, राजेंद्र तुमडाम, गजेन्द्र टेकाम, अनिल धुर्वे ,शिवकुमार मसराम, रूपलाल मोहन रघुवंशी समेत स्वास्थ्य विभाग अधिकारी कर्मचारी, कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे ।

# महापौर विक्रम आहके ने निगम में अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश पत्र सौंपे

**छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश।** नगर निगम छिंदवाड़ा में कार्यरत कर्मचारियों के परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करते हुए सोमवार को महापौर विक्रम आहके ने नियुक्ति आदेश पत्र सौंपे। यह नियुक्तियाँ शासन के नियमों एवं परिजनों की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर प्रदान की गई हैं।

स्वर्गीय नारायण मुसरे, जो निगम में रोलर चालक के रूप में सेवाएं दे रहे थे, उनके आकस्मिक निधन के बाद उनके पुत्र प्रमोद मुसरे को चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत पद पर नियुक्ति दी गई। इसी प्रकार स्वर्गीय केवलराम पंद्राम, जो सचिव पद पर सेवाएं दे रहे थे, उनके आकस्मिक निधन उपरांत उनकी पत्नी उर्मिला पंद्राम को सफाई संरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई।

महापौर ने निगम कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में परिजनों एवं निगम कर्मचारियों की उपस्थिति में आदेश पत्र सौंपते हुए दिवंगत कर्मचारियों के सेवाओं को याद किया और परिजनों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि निगम सदैव अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है तथा सेवा अवधि में समर्पण के भाव को सदैव सम्मान देता है।

# गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में हुई भाषण प्रतियोगिता

## धर्म और मानवीय मूल्यों के लिए बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर का विश्व इतिहास में अद्वितीय स्थान-

**सागर, सांध्य प्रकाश।** सिख पंथ के नवम् गुरु श्री तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में पं. दीनदयाल उपाध्याय, शासकीय कला एवं वाणिज्य (अग्रणी) महाविद्यालय, सागर में प्रबोधन कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में त्रिदिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है।

राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता मुखर्जी के संयोजन और डॉ. संदीप सबलोक के सहसंयोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता का विषय ÷मानवता शांति एवं सह अस्तित्व के प्रतीक श्री गुरुतेग बहादुर÷ था। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी विश्व इतिहास में धर्म, मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों के लिए अपना बलिदान देने वाले एक प्रभावशाली गुरु और हिंद की चादर के रूप में प्रतिस्थापित हैं। उन्होंने बताया कि गुरु जी की शिक्षाओं ने खालसा पंथ की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता में 14 प्रतिभागियों ने भाग लेकर मानवता शांति एवं अस्तित्व के रूप में गुरु तेग बहादुर जी के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग सौ विद्यार्थी तथा स्टाफ के सदस्यों ने उपस्थित कर हिस्सा लिया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रंजना मिश्रा (हिन्दी विभाग) और डॉ. गोपा जैन (प्राणीशास्त्र विभाग) मंचासीन रहीं। निर्णायक मंडल में सुरेन्द्र यादव, डॉ. रवींद्र सिंह और डॉ. राखी गौर शामिल रहे। कार्यक्रम संयोजन में डॉ सुनील साहू व डॉ संजय दुबे, डॉ प्रकाश कुशवाहा डॉ वरुण राज यादव का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने और आभार प्रदर्शन इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेणु सोलंकी ने किया।प्रबोधन कार्यक्रम की शृंखला में इससे पूर्व 4 दिसंबर को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। 6

# भीड़ प्रबंधन , सुरक्षा और ट्रैफिक कंट्रोल पर बनी रणनीति



**उज्जैन, सांध्य प्रकाश।** सिंहस्थ 2028 में लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत पुलिस कप्तान प्रदीप शर्मा ने शुक्रवार को कंट्रोल रूम में बैठक ली। इसमें विभागीय समन्वय को मजबूत करते हुए संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके अलावा क्राउड मैनेजमेंट, सिक्योरिटी और ट्रैफिक कंट्रोल पर रणनीति बनाई गई। इस दौरान एसपी ने कहा कि सिंहस्थ की सुरक्षा एवं व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर का मॉडल बनाना हमारा लक्ष्य है। बैठक में एसपी पीटीएस मनीषा पाठक, एएसपी गुरुप्रसाद पाराशर तथा आलोक शर्मा सहित सीएसपी, डीएसपी और अन्य संबंधित शाखाओं के अधिकारी सहित जीआरपी के अधिकारी भी शामिल हुए।

घाटों, मंदिर मार्गों और मुख्य आयोजन स्थलों पर भीड़ प्रवाह का डेटा आधारित विश्लेषण करने के निर्देश दिए।

संवेदनशील स्थानों पर क्यू सिस्टम, रूट डायवर्जन और हाई-डेंसिटी मोमेंट्स के लिए अग्रिम प्लान तैयार करना।

फोर्स तैनाती को सेक्टर एवं झोनन आधारित प्रणाली से और मजबूत करने पर जोर।

शहर के प्रवेश मार्गों, पार्किंग स्थलों, घाटों एवं प्रमुख चौराहों का मेप बेस्ड अध्ययन कर सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा।

भीड़ बढने पर ग्रीन कॉरिडोर, वन-वे सिस्टम और वैकल्पिक मार्ग त्वरित रूप से लागू करने की योजना तैयार की जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस को रियल-टाइम अपडेट सिस्टम सुदृढ़ करने के निर्देश।

आपातकालीन प्रतिक्रिया

कंट्रोल रूम, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन के बीच इंटीग्रेटेड रिस्पांस सिस्टम को मजबूत करेंगे।

महत्वपूर्ण स्थानों पर क्यूआरटी, फायर एंड रेस्क्यू, एम्बुलेंस रिस्पॉन्स को समयबद्ध सक्रिय रखना।

भीड़ के चरम समय के लिए डिप्लॉयमेंट प्लान पूर्व तैयार रखना।

तकनीकी निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था

ड्रोन, सीसीटीवी, एआई आधारित निगरानी एवं फेस रिकॉग्निशन तकनीक का अधिकतम उपयोग करना।

सभी सेक्टर प्रभारी को अपने क्षेत्र की डिजिटल मॉनिटरिंग रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करना।

वीआईपी मूवमेंट एवं रूट प्लानिंग

वीआईपी मूवमेंट के दौरान आम श्रद्धालुओं पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए पूर्व-निर्धारित मार्ग, बफर झोन और समय-आधारित प्लान तैयार करना।

एएसपी, सीएसपी और डीएसपी को मैप की माइक्रो स्टडी कर विस्तृत रूट सुरक्षा प्रस्तुतिकरण तैयार करना

हर शुक्रवार को होगी समीक्षा

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि अब से हर शुक्रवार को सिंहस्थ से संबंधित समीक्षात्मक बैठकें आयोजित की जाएंगी जिसमें तैयारियों की प्रगति की समीक्षा के साथ जरूरी रणनीतियों को अपडेट किया जाएगा।

इधर, शाही एवं पर्व स्नान के दौरान ट्रैफिक रूट की प्रस्तावित व्यवस्था की दी जानकारी

इ धर, शुक्रवार को सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने भी सिंहस्थ महापर्व के मद्देनजर यातायात और आवागमन व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक ली। इसमें शहर में प्रवेश के प्रमुख मार्गों की जानकारी दी गई और शाही व पर्व स्नान के दौरान ट्रैफिक रूट की प्रस्तावित व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई।

इसमें इंदौर रोड, देवास रोड, मक्सी रोड, आगर-मालवा रोड, बडनगर रोड, चिंतामण रोड में सार्वजनिक व निजी वाहनों के प्रवेश, पार्किंग और वापसी की व्यवस्था के बारे में चर्चा की गई।

# दमोह के डिप्टी कलेक्टर को किया सस्पेंड

**दमोह , सांध्य प्रकाश** दमोह जिले में अनुसूचित जाति छात्रावासों के लिए की गई सामग्री खरीद में गंभीर अनियमितताओं के आरोप के बाद संभाग सागर संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी कलेक्टर एवं तत्कालीन प्रभारी जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग दमोह, ब्रजेश सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर दमोह के प्रस्ताव के आधार पर की गई।




जांच में सामने आया कि वर्ष 2024-25 में छात्रावासों के लिए अधीक्षकों से प्राप्त मांग पत्रों के आधार पर जो सामग्री खरीदी गई थी वह गुणवत्ता-विहीन पाई गई। इतना ही नहीं, मप्र भण्डार क्रय एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 संशोधित 2022 के नियम 17.4 का भी पालन नहीं किया गया। नियम के अनुसार प्राप्त सामग्री की गुणवत्ता संबंधी जानकारी सात दिवस में ईमेल या ई-पोर्टल के माध्यम से उपार्जनकर्ता अभिकरण को भेजना अनिवार्य है, परंतु ऐसा नहीं किया गया।

आदेश में यह भी उल्लेखित है कि जैम पोर्टल पर तीनों रोल संबंधित सहायक ग्रेड-3 को सौंपे गए थे, जिनकी निगरानी और क्रय प्रक्रिया पर डिप्टी कलेक्टर की सीधी जिम्मेदारी थी। बावजूद इसके क्रय प्रक्रिया का आवश्यक निरीक्षण नहीं किया गया और सामग्री खरीद नियमों के विपरीत संपन्न कराई गई। इसे स्पष्ट वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में माना गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ब्रजेश सिंह का यह कृत्य मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन है। इसलिए मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 09 के अंतर्गत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

# नालंदा के अवशेषो में एक अवशेष नालंदा का विध्वंस

**वर्षा ठक्कर**

नालंदा मुख्यतः हिन्दू बोद्ध शिक्षा केन्द्र था, उस समय तक बोद्ध धर्म का प्रभाव लुप्तप्राय हो गया था, अतः वह एक हिन्दू गुरुकुल के रूप में ही उपयोग होता था । यह विश्वविद्यालय शिक्षा केन्द्रों में महत्वपूर्ण शिक्षा केन्द्र था, शिक्षा पाने के दिए सारे संसार से,सुदूर ग्रीक एवं अरब रूस चीन और जापान तथा दक्षिण द्वीप समूह असंख्य छात्र आते थे और हिन्दू गुरुजनों एवं शिक्षकों के चरणों में बैठ कर विभिन्न विषयों का सांगोपांग जान प्राप्त करते थे- जैसे कत्ताई , बुनाई , माइनिंग ( स्द्धठुद्धठुद्द ) , वायुविज्ञान , मेटेरोलॉजी( धातु - विज्ञान ),राजनीति , कूटनीति , शासन कला , बैकिंग , अर्थशास्त्र शस्त्र-निर्माण,युद्धकाला ,नुविज्ञान , प्रक्षेपण - गास्त्र ( राकेट्री ) , गणित , ज्योतिष , नक्षत - विज्ञान , मध्यात्मवाद ( मेटाफिटिक्स ) दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान , तर्कशास्त्र , सैन्यापूर्ति , ऋतु विज्ञान , मनसूरेशन , केल्क्यूल्स , डायनेमिक्स , स्टेटिस्टिक्स , गायन , संगीतशास्त्र एवं कला , मूर्तिकला , वास्तुकला , चित्रकला , इंजीनियरिंग , जीव - विज्ञान , स्त्रीरोग - विज्ञान और कान -पाकशास्त्रआदि ।

उस जमाने में कई तरह के सुती वस्त्रों की सिलाई और बुनाई होती भी जो इतने महीन और मुलायम होते थे कि एक अंगूठी के आर - पार हो जाते थे। बड़ी आसानी से ये एका छोटी शीशी में बन्द हो जाते थे । फिर भी तह में दाग उसपर नहीं पड़ते थे । आज की अच्छी-अच्छी टेरेलिन भी उसके आगे बेकार थी । सबसे महत्वपूर्ण बात इसका उत्पादन मूल्य था , एकदम सस्ता । आंख मूंदकर चलने वाले बे-अर्थशास्त्री , बड़ी- बड़ी योजना बनाने वाले ये मन्त्री और संत्री - लंबी लंबी बातें करने वाले ये शासकगण अपनी विद्यता की डिंग हाँकते हैं फिर भी पर्याप्त रोटी , कपड़ा और मकान साधारण लोगों को मयस्सर नहीं है । मगर प्राचीन भारत में अनाये उत्पादन ज्ञान के कारण उत्तम से उत्तम वस्तु सस्ती भी इतनी कि साधारण श्रेणी का व्यक्ति भी उन्हें खरीद सकता था । यह उन्हीं दिनों की बात है जब अनजान राही राह चलते किसी मकान ने पानी का एक घुट मांगता या तो उसे दूध का एक गिलास मिलता था । आज जब हम दूध परीदते है तो पानी मिलता है क्योकि गायें बचो नहीं , मुस्लिम लुटेरे उन्हें चट कर गए ।

शान्ति और समृद्धिका विश्वविख्यात भारत अकाल और ह?तालों का अखा?ा बन गया । एक जादुई कारनामा हो गया । मुसलमानो के लुटेरे शासन ने हजार वर्षों तक इस पर परिश्रम किया । कासिम , गजनबी , गौरी , बख्तियार, ऐबक ,बाबर , हुमायू , शाहजहाँ , औरंगजेब आदि पिशाचों के योजनाबद्ध लगातार स्पर्श से भारत इतना मुरझा गया है कि कई पंच-काय योजनाओं को इसमें सिहरन तक नहीं हुआ हबार वर्षीय मुस्लिम तबाही और बरबादी की मरम्मत होनी तो दूर रही । बख्तियार इस भय -सर्जक धूमकेतु का एक जगमगाता सितारा था ।

% स्तबकात % के अनुसार विश्वसनीय आदमियों ने कहा है कि वह ( बख्तियार ) सिर्फ दो सौ घु?सवारों के साथ बिहार दुर्ग के द्वार तक गया और बेखबर शत्रुओं काफिरों ( यानी छात्र एवं शिक्षक-गण ) पर टूट पड़ा ।

बख्तियार के अनुचरों में दो बुद्धिमान भाई थे । एक का नाम निजामुद्दीम था , दूसरे का शमसुद्दीन । बख्तियार खिलजी द्वार पर पहुंचा और ल?ाई प्रारम्भ हो गई । तब इन दो बुद्धिमान भाइयों ने बहादुरी की उस सेना में बड़ी चुस्ती दिखाई । मुहम्मद बख्तियार खिलजी ने बड़ी वीरता और सतर्कता दिखाई और दुर्ग में प्रवेश कर महल पर अपना अधिकार कर लिया । लूट का काफी माल विजेताओं के हाथ लगा ।

महल के अधिकतर काम निवासी केश - मुंडित ब्राह्मण थे । उन सभी को खत्म कर दिया गया । वहां मुहम्मद ने पुस्तको की और को देखा । सब को आग लगा दी ... यह मालूम हुआ कि यह सारा दुर्ग और नगर अध्ययन का स्थान ( मदरसा ) बना दिया गया ।।

जर और जमीन की बख्तियार की भूख बढ़ती ही गई । माया , आतंक और यातना के हथियारों का प्रयोग उसने चीनी तुर्किस्तान एवं तिब्बत में भी करना चाहा । ÷ इस इरादे से दस हजार घोड़ों की एक सेना तैयार की ÷ उसके नायकों में से एक नायक कूच ( बिहार ) की स्थानीय जाति का था । इसका नाम अली मिर्जा था । बख्तियार खिल्जी ने इसे मुसलमान बनाया था । पहाड़ी मार्गों को बतलाना उसने स्वीकार कर लिया ।

÷ इससे ज्ञात होता है कि मुसलमान बनने के बाद किस प्रकार हिन्दू अपनी ही जाति और देश के दुश्मन और गद्दार हो गए । फिर अकबर , शाहजहाँ और बहादुरशाह आदि विदेशी मुसलमानों ने भारतीय जमीन के साथ बलात्कार किया तो आश्चर्य ही क्या ?

हिन्दू से मायावी मुसलमान बना अलीमिर्जा बख्तियार को बर्धमान नगर तक ले आया । ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा कभी यह बंगमती नाम से भी विख्यात था । बीस खम्भों का एक प्राचीन हिन्दू पुल इस नदी पर था । साधारण पर्यटक , इतिहास के छात्र एवं शिक्षक , शोधकर्ता और सर कारी अधिकारियों को यह जानकर जाग जाना चाहिए कि मध्यकालीन पुलों का निर्माण मुसलमानों ने नहीं किया है वरन् मुस्लिम - पूर्व हिन्दू कारीगरों ने ही इनका निर्माण किया है । मुसलमानी दरबारों के रिकार्ड में कहीं भी इस बात का जरा भी प्रमाण नहीं है कि मुसलमानों ने कोई भी नहर , पुल , महल , दुर्ग , मकबरा या मस्जिद बनाया है । इधर - उधर जो बयान हैं वे मरम्मत सम्बन्धी हैं । इसी मरम्मत को उन लोगों ने बढ़ाकर अपना मौलिक निर्माण कहा है । उसपर मरम्मत का खर्चा और भार भी हिन्दू जनता पर ही लादा गया ।

फतेहपुर सीकरी , ताजमहल या आगरा दुर्ग से सम्बन्धित अरबी लेखों का अनुवाद करते समय पश्चिमी विद्वानों ने अपनी अपनी टिप्पणियाँ देकर इसे एकदम स्पष्ट कर दिया है ।

बख्तियार खिल्जी ने , एक पक्के चोर की भांति पुल की सुरक्षा के लिए अपनी एक मजबूत सैन्य टुकड़ी वहाँ छोड़ दी ताकि भागने का मार्ग साफ़ रहे । बाकी सेना के साथ वह आसाम में घुस गया और तिब्बत की ओर बढ़ा ।

1243 ई 0 की एक रात उसने बनगांव और देवकोट के बीच अपना पड़ाव डाला । एकाएक आसामी शासक की हिन्दू सेना ने उसपर चढ़ाई कर दी । पहली बार एक हिन्दू ने इन दुष्टों की नाड़ी पकड़ अपनी सूझ - बूझ का परिचय दिया ।

राजा पृथुसिंह की गिनती उन थोड़े हिन्दू राजाओं में की जानी चाहिए जिन्होंने अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रह परिस्थिति को पूरी तरह समझा । पवित्र उपाकाल में हिन्दुओं ने आक्रमण किया था । दोपहर होते - होते हिन्दू सेना ने बड़ी संख्या में मुसलमानों को मार दिया और घायल कर दिया ।

÷ आश्चर्य है कि ( तबकात - ए - नासिरी के अनुसार ) ÷ शत्रुओं ( यानी हिन्दुओं ) के पास बाँस के भाले थे और उनकी ढाल , कवच तथा शिरस्वाण सिर्फ कच्चे रेशम के ही बने हुए थे जो आपस में एक दूसरे से बंधे और सिले हुए थे । सभी के पास लम्बे - लम्बे धनुष और बाण थे । ÷ भयभीत , आतंकित और



नालंदा के अवशेष मूर्तिया (बिहार)

पराजित बक्तियार को उसके जासूसों ने खबर दी कि कुछ ही दूरी पर एक विशाल हिन्दू शहर कूर्मपट्टन है जो चारों ओर दीवारों से आवेष्टित है । ÷

उस नगर के बाजार में प्रतिदिन प्रातः 1500 घोड़ों की बिक्री होती थी और उस शहर में 35,000 वीर तुर्को ( यानी हिन्दुओं ) की सेना धनुष - बाणों से तैयार खड़ी थी ।

÷ ÷ बस्तियार खिल्जी ने देखा कि उसके आदमी थके और हताश हैं , अनेक मारे गए हैं और काफी घायल है । उसने नायकों से सलाह - मशवरा करके लौट जाना ही ठीक समझा ताकि दूसरे साल पूरी तैयारी से वे फिर उस देश में आ सके ।

÷ मायावी मुस्लिम लुटेरों को बुरी तरह हराने के बाद आसामी हिन्दू सेना ने इस बात का भी पूरा ध्यान रखा कि वापिस भागते मुस्लिम हैवानों को खाने का एक दाना भी न मिले और न उनके जानवरों को घास का एक तिनका ही । इसपर मजबूर होकर वे लोग अपने घोड़ों को मारकर खा गए । ÷

बख्तियार वापिस भागता हुआ पुल तक आया और सन्न रह गया । यह देखकर उसे बड़ा धक्का लगा कि उसकी टुकड़ी का सफाया कर हिन्दुओं ने पुल तोड़ उसके भागने का मार्ग एकदम बन्द कर दिया है । समीप में ही ÷ एक मजबूत गगनचुम्बी मन्दिर था जिसमें सोने और चांदी की अनेक प्रतिमाएँ थीं । सोने की एक प्रतिमा बड़ी विशाल थी जिसका वजन दो तीन हजार मिस्कल से भी अधिक था । बख्तियार एवं उसकी बाकी सेना ने इसमें पनाह ली और बेड़ों से नदी पार करने के इरादे से वे लोग लकड़ी एवं रस्सी के प्रबन्ध में लग गए ।

÷ यहाँ यह बतलाना बेकार ही है कि उन मायावी मुसलमानों ने मन्दिर को अपनी विधि के अनुसार अपवित्र कर , स्वर्ण प्रतिमाएँ गला दी और उसे मस्जिद बना दिया --- यह एक ऐसी कहानी है जिसे हजार वर्ष के इतिहास में इतनी बार दोहराया गया कि लोग पढ़ते - पढ़ते ऊब जाते हैं । हिन्दुस्तान के वीरों की कतार में आसामी राजा को रखना ही पड़ेगा क्योंकि उसने अपने देश और अपनी प्रजा की रक्षा की ; क्योंकि उसने जागरण , चेतना और दूरदर्शिता का परिचय दिया , क्योंकि उसने अपने कर्तव्य का पालन किया । अपने निष्फल क्रोध में हर चीज को तोड़ता , फोड़ता और चबाता यह मायावी मुस्लिम पशु जबतक उसके राज्य पर मंडराता रहा , उसने चैन की एक सांस भी नहीं ली । ÷ उसने अपने क्षेत्र के सारे हिन्दुओं को एकत्रित होने की आज्ञा प्रसारित कर दी और लोग हिन्दू मन्दिर ( तथा परिवर्तित मस्जिद ) के चारों ओर एकत्रित होने लगे । वे चारों ओर आड़े एवं तिरछे बाँस के भाले गाड़ने लगे ताकि चारों ओर एक प्रकार की दीवार बन जाए ।

÷ मुसलमान ने ही मारा - पिंजरे में बन्द हो घिर जाने के भय से बस्तियार ने निकटवर्ती जंगल में भाग जाने का निर्णय किया । आसामी हिन्दू सेना का सामना करने का साहस उसमें नहीं था । हर हालत में नदी पार करने की ठान जब वह नदी तट की ओर बढ़ा तो यह देख उसके होश फाख्ता हो गए कि आसामी शासक की वीर और चौकन्नी सेना अभी तक उसके पीछे लगी हुई है । हड़बड़ाहट और घबराहट में मायावी मुस्लिम सेना ब्रह्मपुत्र की तीव्र धारा में कूद पड़ी ।

÷ पीछा करने वाले हिन्दुओं ने नदी तट पर अपना अधिकार कर लिया । शत्रु धारा के बीच में पहुंच गए जहाँ पानी बहुत गहरा था और प्रायः सभी डूब गए । कुछ घोड़े , जिनकी संख्या 100 के आस - पास होगी और मुहम्मद बख्तियार खिल्जी बड़ी कड़नाई से नदी पार कर इस पार आ सके । ÷ वह भी बहती हुई मुस्लिम लाश का सहारा लेकर ।

÷ इस विपत्ति की परेशानी का मारा बख्तियार खिल्जी देवकोट पहुंच कर बीमार पड़ गया । वह कभी भी बाहर नहीं निकलता था । लोगों की स्त्रियों एवं बच्चों को देख उसे शर्म महसूस होती थी । जब कभी बह घोड़े पर बाहर निकलता तो मर्द , औरत और बच्चे सड़कों और घरों पर खड़े हो चीखते - चिल्लाते उसे गालियां देते थे ।

÷ प्रायः इसी समय गौरी , जो बर्बर मायावी मुसलमानों का एक चमकता सितारा था , जिसके चारों और बख्तियार खिल्जी जैसे ग्रह नाचते और चक्कर काटते थे , मारा गया । इस सितारे के पतन के बाद अल्लाह ने बख्तियार की जान भी इसी प्रकार निकाली । एक हत्यारे के चाकू ने दूसरे हत्यारे की हत्या कर दी । जिस प्रकार यह गुलाम मायावी मुस्लिम लुटेरा दूर देवकोट में मरा उसमें एक प्रकार का देवी न्याय भी है । अपना काला चेहरा यह जनता को नहीं दिला सकता था । शान्त और पवित्र पाठशालाओं पर साँप की तरह अचानक उछल और शैतान की तरह मचल इसने लोगों का जीवन जहरीला कर दिया था । ऐसे मायावी मुस्लिम पिशान को अली मरदान खिल्जी ने कुचला । आसाम ल?ाई में इसका कोई प्यारा रिश्तेदार काम आया था । 1205 ई 0 में पार्म से मुंह छिपाए बस्तियार एकान्त में पड़ा हुआ था । मृत्यु दूत की भांति अली मरदान सुदूर कुनी से आया । तेजी से तम्बू में प्रवेश कर अटके से परदे को नोच , फुर्ती से चाकू निकाल वह गालियाँ दे देकर चालू भोंकने लगा । वह तबतक चाक भोंकता रहा जबतक उसका छिन्न विच्छिन्न शरीर गर्म खून में लथपथ हो ठण्डा और कड़ा नहीं हो गया ।

% राक्षस - हंता % का सारा श्रेय आसाम के वीर हिन्दू शासक को मिलना चाहिए , जिसने बिना विलम्ब किये एक मायावी मुस्लिम डाकू को जड़ - मूल से साफ कर अपनी जागसकता और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

हे भगवान् ! हमें अनेक और ऐसे ही वीर और प्रतापी हिन्दू योद्धा प्रदान करो । हिन्दुत्व के हीरो आसाम के वीर शासक को हम भूले बैठे हैं , जिसने भारत में मायावी बख्तियार की हड्डियों तक नोच , नंगा कर , उसके दुष्कर्मों का शस्त्र से परित्राण किया । इसका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाना चाहिए ।

शोक - सभा , सुरक्षा कार्यालयों एवं अन्य सरकारी दफ्तरों में राजा पृथु के चित्र लगाने चाहिए ताकि सम्बद्ध सभी लोगों को आसाम के इस हिन्दू शासक की वीरता , सतर्कता , युद्धकला , दूरदर्शिता , कर्तव्यपरायणता और देश भक्ति का बराबर स्मरण होता रहे । मुहम्मद गौरी का मुस्लिम गिरोह एक सहस्त्रमुखी मायावी अजगर था । गजनी से वाराणसी तक इसने आग और जहर उगला । भारत के वीर राज पूतों ने कई स्थानों से इस अजगर को काट , इसके कई टुकड़े कर दिए । मगर मरते - मरते भी इस अजगर ने कई स्थानों पर दुष्कर्मों का अण्डा दे ही दिया । कुतुबुद्दीन , अल्तमश , बख्तियार आदि कई धर्मान्ध मुस्लिम गुलाम इन अण्डों से पैदा हुए और सारे देश को चुनचुन दीमक - सा चाट गए । बख्तियार भी इन्हीं में से एक था । इसका आकार धीरे - धीरे विशाल होता जा रहा था । उत्तर प्रदेश , बिहार , बंगान एवं आसाम इन चार प्रान्तों को , इसने कुचला , रौंदा । अन्त में , आसाम के वीर हिन्दू योद्धा शासक ने इसे घेरकर , रगेदकर मारा। ( मदर इण्डिया , मार्च 1667 )

**संकलन -राकेश पूरी**

## होमगार्ड के 79 वें स्थापना दिवस की झलकियां

होमगार्ड के 63 वें स्थापना दिवस पर होमगार्डस द्वारा बोरवेल रेस्क्यू और बिल्डिंग रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन किया गया।

होमगार्ड के 79 वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह मुख्यमंत्री अदम्य साहसिक कार्य सम्मान पुरस्कार कार्यक्रम में हुए शामिल

# रातापानी टाइगर रिज़र्व के जंगल में वनकर्मियों से मारपीट करने वाले पाँच आरोपी गिरफ्तार

### बगैर परमिशन के रातापानी टाइगर रिजर्व में घूम रहे थे आरोपी

**औबेदुल्लागंज। सुरेश केवट, सांध्यप्रकाश।** रातापानी डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में गुरुवार को वनकर्मियों पर प्राणघातक हमला करने वाले एक दर्जन आरोपितों में से पाँच लोगों को मंडीदीप पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें दो महिलाएँ भी शामिल हैं। मंडीदीप पुलिस के अनुसार, कजलीखेड़ा निवासी नितिन नायक, आकाश, राकेश नायक और दो महिलाओं ने टूमड़ाखेड़ा बीट के जंगल में आग जलाकर भोजन बनाने और पिकनिक मनाने से रोकने पर वनकर्मियों पर सामूहिक हमला कर दिया था। वनकर्मियों के सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने और एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। सभी पाँचों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया वन मंडल औबेदुल्लागंज में सूचना मिलते ही डीएफओ हेमंत रैकवार ने तत्काल दाहोद के रेंजर कार्तिकेय शुक्ला को दल और पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचाया जब तक पुलिस घटना स्थल पर पहुंचती उसके पहले ही हमलावर वहां से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए रेंजर शुक्ला ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया

# ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 5 लोगों की मौत, 2 घायल

**छतरपुर।** छतरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही जान चली गई। एक्सीडेंट बड़ामलहरा तहसील के मुंगवारी और चौपरिया सरकार गांव के बीच सागर-कानपुर हाईवे नंबर 34 पर शुक्रवार रात करीब 8 बजे हुआ। कार में सतना निवासी प्रजापति परिवार के 7 सदस्य सवार थे, जो शाहगढ़ जा रहे थे। सूचना मिलते ही सागर आईजी हिमानी खन्ना सहित गुलगंज पुलिस मौके पर पहुंची। कार के गेट तोड़कर शवों को बाहर निकाला जा सका। हादसे में इनकी गई जान- महेंद्र प्रजापति (30), लक्ष्मण प्रजापति (40), दीपक प्रजापति (24), सुरेंद्र प्रजापति (26), लालू प्रजापति (17)। जबकि भूपेंद्र प्रजापति और जितेंद्र प्रजापति जिला अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों के रिश्तेदार अजय प्रजापति ने कहा- हमारी बहन की 29 नवंबर को शादी हुई थी। हम सभी दो गाड़ियों से उसे ही लेने जा रहे थे। हमारी गाड़ी आगे थी। पीछे आ रही सेंट्रो में सवार लोगों से फोन पर बात हुई थी, तब उन्होंने कहा था कि वे छतरपुर में हैं। हम शाहगढ़ पहुंचे तो पता लगा कि पीछे आ रही सेंट्रो का एक्सीडेंट हो गया है।

**सांध्यप्रकाश विशेष**

# कथावाचक इंद्रेश ने शिप्रा संग जयपुर में लिए सात फेरे

### वैदिक रीति-रिवाज से हुई शादी में 500 वीआईपी शामिल

प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने शुक्रवार को हरियाणा की शिप्रा शर्मा के साथ राजस्थान की राजधानी जयपुर में सात फेरे लिए। यह विवाह समारोह तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर बनाए गए मंडप में हुआ, जिसमें वैदिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया। शादी की रस्में लगभग तीन घंटे तक चलीं, जिसमें कई धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल थीं। इस भव्य शादी में कई साधु-संत और मशहूर हस्तियां भी उपस्थित थीं।

**विशेष मंडप और विवाह की धार्मिक रस्में-** विवाह का मंडप तिरुपति बालाजी मंदिर की डिजाइन पर आधारित था। इस मंडप में विभिन्न चौकियों पर इष्ट देवताओं की मूर्तियां विराजमान थीं और हवन की भी व्यवस्था की गई थी। विवाह की मुख्य रस्मों में इंद्रेश और शिप्रा ने साथ में सात फेरे लिए, जिसमें पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने उनका मार्गदर्शन किया।

**शादी में शामिल हुए प्रमुख लोग और रस्में-** शादी में कई प्रमुख व्यक्तियों ने हिस्सा लिया, जिनमें कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री, कवि कुमार विश्वास और बॉलीवुड सिंगर बी प्राक शामिल थे। इस समारोह की शुरुआत जयपुर एयरपोर्ट से हुई, जहां कुमार विश्वास और धीरेंद्र शास्त्री ने दूल्हा-दुल्हन को शुभकामनाएं दीं। इस शादी समारोह में फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा भी मौजूद थे। इसके बाद ताज आमेर होटल में आयोजित विवाह समारोह में 101 पंडितों ने शादी की रस्में पूरी कीं, जिसमें हवन और मंत्रोच्चारण भी किया गया।

**पारंपरिक भारतीय संस्कृति की झलक-** इस विवाह समारोह में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की पूरी झलक देखने को मिली। मंडप में बैठकर इंद्रेश और शिप्रा ने एक-दूसरे के साथ सात फेरे लिए, जो वैदिक शास्त्रों के अनुसार किए गए। इस दौरान विभिन्न धार्मिक आयोजन जैसे हवन, पूजा और मंत्रोच्चारण ने शादी को और भी खास बना दिया।

# शादी टलने के बाद स्मृति मंधाना का पहला वीडियो, फैंस हैरान, अंगुली में नहीं दिखी सगाई वाली रिंग !

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। शादी पोस्टपोन होने के बाद उन्होंने पहली बार अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, लेकिन इस वीडियो ने फैंस के मन में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में मंधाना की अंगुली में वह सगाई वाली रिंग नजर नहीं आई, और यही बात अब सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा कारण बन गई है।

**शादी टलने के बाद पहली पोस्ट-** शुक्रवार को शेयर किया गया यह वीडियो एक प्रमुख टूथपेस्ट ब्रांड के साथ पेड पार्टनरशिप का हिस्सा था। भले ही वीडियो में मंधाना पहले जैसे ही कॉन्फिडेंट और खुश नजर आईं, लेकिन फोकस उनकी स्माइल पर नहीं बल्कि उंगली में रिंग की गैरमौजूदगी पर रहा। फैंस कमेंट बॉक्स में लगातार लिख रहे हैं- रिंग कहां गई? क्या सबकुछ ठीक है? हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो सगाई और शादी पोस्टपोन होने से पहले शूट किया गया था या बाद में।

**सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार गर्म-** दिलचस्प बात यह है कि शादी पोस्टपोन होने के बाद स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें और पोस्ट हटा दी हैं। इससे कयास और तेज हो गए कि क्या केवल शादी टली है या फिर कुछ और बदल गया है। सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैल गईं कि पलाश और स्मृति के बीच सब ठीक नहीं था और रिश्ते में दरार आई है। हालात तब और जटिल हो गए जब इंटरनेट पर पलाश पर 'चीटिंग' के आरोप लगाए जाने लगे। हालांकि न ही स्मृति और न ही पलाश ने इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। शादी टलने के कुछ दिन बाद पलाश मुछाल वृंदावन के प्रेमानंद महाराज के आश्रम में पहुंचे। यहां वो मास्क लगाए हुए भक्तों के बीच बैठे दिखाई दिए। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने इसे पलाश के मानसिक शांति की तलाश का संकेत माना।